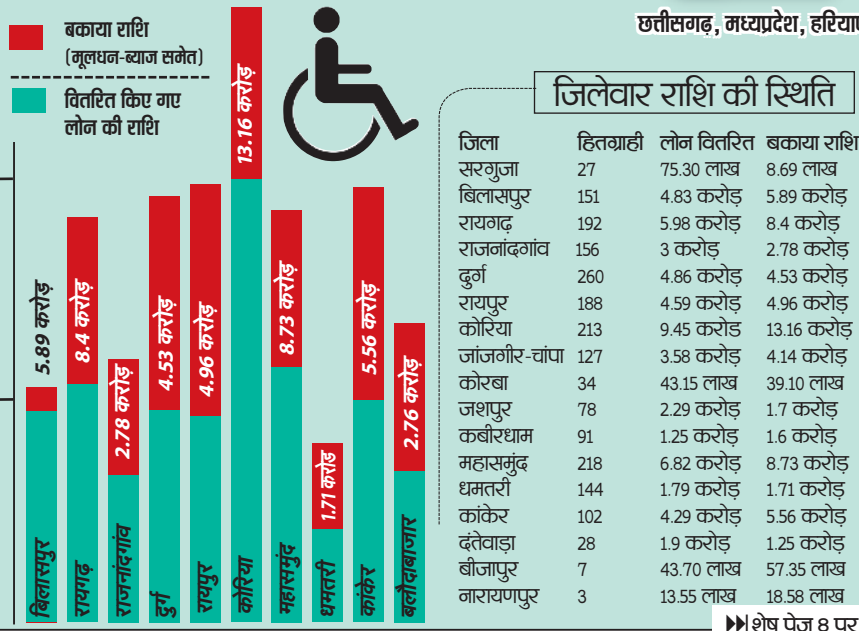




राशि जाम होने से योजना का फायदा बाकी दिव्यांगों को नहीं मिल रहा

बांटा गया लोन-बकाया राशि की स्थिति



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

14 सालों में दिव्यांगों ने लिए 66 करोड़ कर्ज, पर पटाया नहीं, ब्याज सहित 74 करोड़ रुपए अभी भी बकाया, इसलिए योजना को ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए लाई गई दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना का लाभ अब बहुत कम जरूरतमंदों को मिल पा रहा है। इसका कारण पूर्व में योजना के तहत लोन लेने वाले दिव्यांगजन हैं, जिन्होंने स्वरोजगार से जुड़ने के लिए लोन तो लिया, लेकिन उसे पटना उचित नहीं समझा। प्रदेश में यह योजना 2009 में शुरू हुई थी। इसके बाद से वर्ष 2023 तक इस योजना के तहत 2447 हितग्राहियों ने जरूरत के अनुसार लोन लिया है। इसके एवज में मात्र 200 हितग्राहियों ने लोन की पूरी ►►शेष पेज 8 पर



साफ़तेवर अपडेट नहीं, इसलिए 27 जिलों के अनुसार आंकड़ा

दिव्यांगजनों को स्वावलंबन योजना के तहत वितरित किया गया लोन, भुगतान और वसूली की राशि का आंकड़ा हरिभूमि को मिला है। यह आंकड़ा विभाग का साफ़तेवर अपडेट नहीं किए जाने के कारण प्रदेश में 27 जिले घोषित थे, उसके अनुसार मिले हैं। इन आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के दुर्ग, कोरिया, महासमुंद, रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर, जाजगीर-चापा ►►शेष पेज 8 पर

सालों बाद रिकवरी में तेजी

सालों बाद रिकवरी में तेजी है। सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि जल्द से जल्द विभाग के माध्यम से लोन की राशि रिकवरी की जाए। सालभर में 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। इसमें कुछ हितग्राहियों ने 6 से 7 लाख रुपए की राशि एकमुश्त में जमा कराई है। इन हितग्राहियों को तत्काल सब्सिडी भी दी गई।

— लोकेश कावड़िया
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट = ₹114621/-
(75.00%)
22 कैरेट रेट = ₹139990/-
(91.60%)
24 कैरेट रेट = ₹152813/-
(99.99%)
सोने का भाव* प्रति 1.0 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur

5 दिन की सीबीआई रिमांड पर दिवशा की सास व पति



भोपाल। सीबीआई ने दिवशा शर्मा डेथ केस में गिरफ्तार पूर्व जज गिरिबाला सिंह को शुक्रवार को भोपाल स्थित सीबीआई स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने समर्थ की 5 दिन रिमांड बढ़ने और गिरिबाला सिंह की 5 दिनों की रिमांड मांगी थी, जिसे मंजूर कर लिया गया है। दोनों की अब कोर्ट में 2 जून दोपहर 2 बजे पेशी होगी। एमपी हाईकोर्ट से गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द होने के एक दिन बाद गिरिबाला सिंह को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे भारी पुलिस बल के साथ सीबीआई धीरे भोपाल के कटारा हिल्स स्थित उनके घर पर पहुंची ►►शेष पेज 8 पर

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से पूछा कि जब पहले से हाई पावर्ड कमेटी बनाई गई थी और कई सिफारिशें लागू की जा चुकी थीं, तब भी ऐसी बड़ी चूक आखिर कैसे हो गई। कोर्ट ने कहा- सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पूर्व इसरो चेयरमैन की अगुवाई वाली कमेटी ने अपनी रिपोर्ट और जवाब कोर्ट में दाखिल कर दिया है। इसके बाद जस्टिस नरसिम्हा ने सवाल उठाते हुए कहा कि इम्प्लीमेंटेशन की कितनी निगरानी हुई थी और यह फैलियर आखिर कैसे हुआ? कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटना सामने आने का मतलब या तो मूल सिफारिशों में कोई कमी थी या फिर उन्हें ठीक तरीके से लागू नहीं किया गया।

नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं हुआ एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा- यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नीट पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो।

किसने अपनी झूठी सही तरीके से नहीं निभाई?

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि जब तक असली जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ यह जानने का मामला नहीं है कि कौन जिम्मेदार है, बल्कि यह समझना जरूरी है कि जिम्मेदारी आखिर किसके कंधों पर थी और किसने अपनी झूठी सही तरीके से नहीं निभाई।

री-नीट से पहले सुरक्षा व्यवस्था पर है सुप्रीम कोर्ट की नजर



12 मई को हुई थी परीक्षा रद्द

बता दें, देशभर में नीट-यूजीपरीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। इसके बाद 7 मई को पेपर लीक की खबर सामने आई और 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। अब 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस पूरे मामले में केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा गया है।

पेपर लीक के बाद अब 21 जून को दोबारा होगी परीक्षा



लॉन्ग टर्म के लिए 35 और शॉर्ट टर्म के लिए 60 सिफारिशें

सुनवाई के दौरान इसरो के पूर्व अध्यक्ष राधाकृष्णन ने कोर्ट को बताया कि कमेटी ने लॉन्ग टर्म के लिए 35 और शॉर्ट टर्म के लिए 60 सिफारिशें दी थीं। इनमें से अधिकतर सुझावों को लागू भी कर दिया गया है।

सरकार ने कहा- बनाया है नया मैकेनिज्म

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकार युवाओं के साथ खड़ी है और इस मामले को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित भी सरकार ही है। उन्होंने कहा कि 21 जून को होने वाली परीक्षा के लिए नया मैकेनिज्म तैयार किया गया है और इसकी निगरानी सबसे ऊंचे स्तर पर की जा रही है।

पुनर्मूल्यांकन 1 जून से एक्टिव होगा पोर्टल

सीबीएसई बोर्ड के लाखों छात्रों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। रिजल्ट आने के बाद अपनी कॉपीयों की दोबारा जांच और नंबरों की समीक्षा कराने का इंतजार कर रहे छात्रों को अब थोड़ा और इंतजार करना होगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई ने साफ किया है कि पोस्ट रिजल्ट गतिविधियों के लिए बनाया गया ऑनलाइन पोर्टल अब 1 जून 2026 से शुरू किया जाएगा। बोर्ड ने कहा है कि छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने यह फैसला लिया गया है। सीबीएसई का कहना है कि वह मूल्यांकन प्रक्रिया में किसी तरह की गलती या जल्दबाजी नहीं चाहता।

'प्रिंस' का राज, फाइनल में टाइटंस की एंट्री



गिल की कप्तानी पारी के आगे राजस्थान पस्त

- शुभमन ने 53 गेंदों में ठोका शतक
- गुजरात तीसरी बार फाइनल में
- आरआर का दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना 18 साल बाद भी अधूरा
- फाइनल में 31 मई को आरसीबी के साथ अहमदाबाद में मुक़ाबला

मुल्लापुर। गुजरात टाइटंस ने अब पांच सालों में तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। साल 2022 में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में गुजरात चैंपियन बनी थी और अब शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इस इतिहास को दोहराने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है। सूर्यवंशी ने राजस्थान के लिए 96 रनों की शानदार पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम ने 214 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल (104) ने शतक जड़कर टीम को आसानी से फाइनल का टिकट दिला दिया। इसके साथ ही साल 2008 में आईपीएल खिताब जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स का दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना 18 साल बाद भी अधूरा रह गया। गुजरात ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया। अब फाइनल में उनका सामना 31 मई को आरसीबी के साथ अहमदाबाद में होगा।

दो अलग-अलग मामले, रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए दो बाबू

राज्य में दो अलग-अलग घूसखोरी के मामले सामने आए हैं। कोरबा में बीईओ दफ्तर का बाबू हेडमास्टर से 40 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है वहीं, रायगढ़ तहसील का बाबू भी करीब 60 हजार की घूस लेते रंगे हाथों धरा गया है। एसीबी ने शिकायत मिलने के बाद प्लानिंग की और दोनों आरोपी बाबू को जाल बिछाकर गिरफ्तार किया है।

हेडमास्टर से 40 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया बीईओ दफ्तर का बाबू

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

हेडमास्टर से उसकी पासबुक में एंट्री कराने के एवज में विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा के बाबू को एसीबी ने शुक्रवार को 40 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। हेडमास्टर मई माह में ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं और जीपीएफ कटौती राशि की एंट्री कराने के लिए अपनी पासबुक को बाबू के पास छोड़ा था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थमिक शाला रोगदा ब्लॉक करतला जिला कोरबा में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ अमृत लाल बघेल द्वारा एसीबी बिलासपुर को इस बात की शिकायत की गई थी। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में पदस्थापना अवधि में जितनी जीपीएफ राशि की कटौती हुई थी उसकी पासबुक में एंट्री कराने के लिए विकासखंड ►►शेष पेज 8 पर

ऐसे दबोचा

29 मई को बाबू प्रदीप मिश्रा के द्वारा तुमान में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में रिश्वत की रकम लेकर बुलाया गया। बाबू के बुलावे पर शिकायतकर्ता प्रधानपाठक रकम लेकर तुमान मिडिल स्कूल के परिसर पहुंचा और 40 हजार की रकम बाबू प्रदीप मिश्रा के द्वारा जैसे ही प्रधानपाठक से ली गई, सादे वेश में आसपास फैली एसीबी की टीम ने उसे धरदबोया और उसके जेब से रिश्वत की 40 हजार रुपए बरामद कर लिए और साथ ही भ्रष्टाचार निवारण की धारा 7 अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की।

रिकार्ड सुधारने मांगा एक लाख, 60 हजार की घूस के साथ धरा गया बाबू

हरिभूमि न्यूज ►► रायगढ़

रिकार्ड में नाम सुधार करने के लिए एक लाख रुपए की मांग करने वाले छाल तहसील के बाबू तुलाराम पटेल को 60 हजार रिश्वत लेते एंटी करषण ब्यूरो ने रंगे हाथ पकड़ा है। यह कार्रवाई तहसील कार्यालय में ही शुक्रवार की दोपहर की गई। आरोपी बाबू को एसीबी अपने साथ पूछताछ के लिए ले गई है।

दरअसल तहसील छाल के ग्राम धसकामुड़ा निवासी भानुप्रताप पटेल ने अपनी परिचित महिला कंचन बाई का नाम राजस्व रिकार्ड में सुधार करने के लिए आवेदन लगाया था। महिला कंचन बाई की ग्राम धसकामुड़ा में जमीन है और राजस्व रिकार्ड में कचरा उल्लेखित है। उसे सुधार करने के लिए भानुप्रताप पटेल ने आवेदन लगाया था। चूंकि कंचन बाई की जमीन को भानुप्रताप खरीदी करना चाह रहा था। इसके कारण महिला ने उसे नाम सुधार की जिम्मेदारी दी ►►शेष पेज 8 पर

बाबू को रिश्वत लेते पकड़ा गया

आरोपी बाबू ने रिश्वत के रूप में एक लाख मांग की था। शिकायतकर्ता से पहली किस्त के रूप में 60 हजार रिश्वत लेते आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ा गया है। अजितेश सिंह डीएसपी, एसीबी बिलासपुर



1 जून से पड़ सकता है आम आदमी की जेब पर असर

एटीएम से कैश, सोलर पैनल खरीदना हो सकता है महंगा

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

मई खत्म होने और जून की शुरुआत होने में कुछ दिन बाकी है। महीने की शुरुआत यानी 1 जून से कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव देखने को मिल सकता है। इन बदलावों में गैस सिलेंडर की कीमतों, बैंकिंग सेवाओं, यूपीआई पेमेंट, रेलवे और पैन कार्ड से जुड़े नियम शामिल है। जो आपको जेब में सीधा असर हो पड़ सकता है। आइए जानते हैं इसके बारे में एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें: तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी और सीएनजी-पीएनजी के दामों की समीक्षा करती हैं। ईरान में चल रहे तनाव के कारण सप्लाय चैन पर असर पड़ा है, जिससे रसोई गैस के दाम बढ़ने की आशंका बनी हुई है।



- यूपीआई से लेकर एलपीजी तक बदलेंगे कई नियम
- एफडी की ब्याज दरों में भी हो सकता है बदलाव

एटीएम से कैश निकालना होगा महंगा

जून से कई बैंक अपने एटीएम ट्रॉजिकेशन स्ट्रक्चर में बदलाव कर रहे हैं। अब फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश निकालना, मिनी स्टेटमेंट लेना या बैलेंस चेक करना पहले से महंगा हो सकता है। अपने बैंक का नोटिफिकेशन जरूर चेक करें।

सोलर पैनल खरीदना होगा महंगा

सरकारी सब्सिडी वाली 'सूर्य घर योजना' के लिए अब केवल सरकार द्वारा अप्रूव्ड (एएलएमएम लिस्ट) सोलर पैनल का ही इस्तेमाल हो सकेगा। नियम सख्त होने से इनकी कीमतों में बढ़ोतरी के आसार हैं।

एफडी की ब्याज दरों में फेरबदल

कई सरकारी और निजी बैंक अपनी एफडी की ब्याज दरों को रिवाइज कर रहे हैं। आरबीआई की नीतियों के आधार पर कुछ पुनेवी रकॉर्ड्स बढ़ हो सकती हैं और नई आकर्षक ब्याज दरें लागू हो सकती हैं।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव

एनपीसीआई अब यूपीआई फ्रॉन्ट को जड़ से खत्म करने की तैयारी में है। अब किसी को भी पेमेंट भेजते समय आपको उनका असली बैंक-रजिस्टर्ड नाम दिखाई देगा, यानी अब क्यूआर कोड या मोबाइल नंबर पर पैसा भेजते समय फर्जीबाई का डर नहीं रहेगा और आप सही व्यक्ति की पहचान कर पाएंगे। बदल गए पैन कार्ड के नियम इनकम टैक्स विभाग ने पैन से जुड़े नियमों में बड़ी राहत और सख्ती दोनों दी हैं। अब 50,000 रुपये तक दस्तावेजों के लिए वेब जरूरी नहीं होगा। प्रॉपर्टी डॉक्यू (20 जेब से ऊपर) और गिफ्ट डॉक्यू (20 लाख से ऊपर) ट्रॉजिकेशन के लिए पैन अनिवार्य कर दिया गया है।

RCP
INFRA TECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

VIP
Familia

3 BHK
STARTS FROM 1694 SQFT (157.43 SQMT)
2 BHK
STARTS FROM 1444 SQFT (134.2 SQMT)
AND
COMMERCIAL
SHOPS

@
2699/-
PER
SQFT.

ONLY 5 SPECIFIC FLATS
ONLY FOR 2 DAYS
30TH & 31ST MAY



400 sqft to 900 sqft
(37.17 sqmt To 83.64 sqmt)
COMMERCIAL SHOPS & OFFICES

CALL-812 000 8290



ALSO KNOWN AS VIP FAMILY HEIGHTS
Member of: **CREDAI**
CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT:
(VIP FAMILIA) RERA NO.: PCGRERA160524001777
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.)
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR
code to find us
Google Maps



Follow us on :



फायनेंस
उपलब्ध



Follow us on : [f/vipcityrpr](#) [@/vipcityrpr](#)



संभाग में खाद की स्थिति

जिला	लक्ष्य	भंडारण	वितरण
रायपुर	48750	18258	821
गरियाबंद	28500	12339	80
बलौदाबाजार	58350	22740	70
महासमुंद	60870	20863	80
धमतरी	38840	16661	200

रायपुर संभाग के जिलों में भी किसानों के माथे पर लकीरें, सिर्फ 1251 टन खाद ही पहुंचा

रायपुर से सुरेंद्र शुक्ला, धमतरी से दीपनारायण शर्मा, महासमुंद से रत्नेश सोनी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर, धमतरी, महासमुंद

खाड़ी में अस्थिरता का सीधा असर किसानों की खेती बाड़ी पर पड़ा है। रायपुर संभाग के तमाम जिलों में उर्वरक की कमी से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच गई हैं। यहां तकरीबन 2 लाख 35 हजार टन खाद आपूर्ति का टारगेट था, लेकिन अभी तक सिर्फ 95 हजार 665 टन का ही भंडारण हो सका है। चिंता इस बात की है किसानों तक सिर्फ 1251 टन उर्वरक ही पहुंचा है।

गौरतलब है, रायपुर संभाग के रायपुर सहित धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा जिला धान उत्पादन में अग्रणी हैं, लेकिन इस साल ►►शेष पेज 8 पर



खाद संकट से प्रति एकड़ लागत दो हजार बढ़ने की आशंका

अधिकांश किसान खुले मार्केट से अधिक मूल्य में खाद उठाने को मजबूर हैं। किसान बिर्समर साहू ने बताया कि खुले मार्केट में 267 रुपए का यूरिया 500-600 रुपए में बिक रहा है। वहीं 1350 रुपए का डीएपी 2100 रुपए में बिक रहा है। इससे प्रति एकड़ करीब 2 हजार रुपए की लागत बढ़ गई है। मजदूरी दर में 30-50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इससे प्रति एकड़ करीब 3 हजार, डीजल के दाम बढ़ने से जुताई मताई का खर्च प्रति एकड़ 200 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। किसानों ने बताया कि ►►शेष पेज 8 पर



बुवाई में देर का डर

समितियों में समय पर पर्याप्त खाद न पहुंचने के कारण किसानों की बुवाई पिछड़ने का अनुमान है। समितियों में खाद की किरलत के चलते किसान समितियों के चक्कर लगाने में लगे हैं। संभाग में गरियाबंद, बलौदाबाजार, महासमुंद जिले की समितियों में यूरिया, एनपीके और अन्य खाद कर उठाव कर रहे हैं।

2 लाख 35 हजार टन उर्वरक का लक्ष्य

रायपुर संभाग में चालू खरीफ के लिए 2 लाख 35 हजार 290 टन उर्वरक का लक्ष्य तय किया गया है। लक्ष्य के विरुद्ध 95 हजार 665 टन का भंडारण किया जा चुका है। किसानों ने अब तक 1251 टन से अधिक का उठाव कर लिया है। रायपुर जिले में सबसे अधिक 821 टन का उठाव किया गया है।

रकबा के मुकाबले उर्वरक की मांग अधिक, आपूर्ति और वितरण व्यवस्था डगमगाई

महासमुंद। महासमुंद जिला प्रदेश में धान का प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों में से एक है। बीते खरीफ सीजन में 1 लाख 58 हजार 756 किसानों का पंजीयन हुआ और इस बार खरीफ सीजन के लिए तकरीबन 2.90 लाख हेक्टेयर का रकबा धान खेती का होने का अनुमान है। इसके लिए किसानों को मिलने वाले यूरिया की बात करें तो विभागीय आकड़े बता रहे कि खरीफ 2026 के लिए जिले में यूरिया, डीएपी और पोटाश सहित कुल उर्वरकों की मांग लगभग 1.20 से 1.40 लाख मेट्रिक टन के आसपास है। हालांकि, अब तक हुई आपूर्ति पूरी नहीं हो पाई है और हो चुकी ►►शेष पेज 8 पर

यह है स्थिति

खाद की स्थिति पर नजर डालें तो पिछले साल के वितरण का 50 प्रतिशत खाद का भंडारण किया जा चुका है। समितियों और कृषि केंद्रों में 30 हजार टन और डबल लोक गोदामों में 5 हजार टन खाद का भंडारण किया गया है। किसानों को 6 हजार टन खाद का वितरण भी किया जा चुका है।

उत्पादन होगा प्रभावित

किसान कामता सेन, युवराज शर्मा, शत्रुघ्न साहू ने बताया कि खेती की लागत काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में किसानों पर उत्पादन भी ज्यादा लेने का दबाव है। कम उत्पादन में तो लागत निकालना भी मुश्किल होगा। उन्होंने बताया कि धान की खेती पूरी तरह से खाद पर निर्भर है। पर्याप्त खाद नहीं मिलने पर उत्पादन काफी कम हो जाएगा और किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

कर सकते हैं शिकायत

किसानों को संतुलित उर्वरक देने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्लानिंग के चलते वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर किसानों को खाद दी जा रही है। अनियमितता के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। किसान इस प्रकार के मामलों की शिकायत कृषि विभाग के टोलफ्री नंबर पर कर सकते हैं।

मनेश साहू, उपसंचालक कृषि चिंतित है खरीफ फसल के किसान

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 1092 अंक लुढ़का निपटी पहुंचा 23600 से नीचे



एजेंसी ►► मुंबई

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 29 मई को दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी लाल रंग के निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 1092 अंक गिरकर लगभग 74,775.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी करीब 359.40 अंक टूटकर लगभग 23,547.75 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से पावर ग्रिड, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस सबसे ज्यादा नुकसान में रहे।

एशियाई बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का बेंगमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

सतर्क रहे वैश्विक निवेशक

हालांकि, कच्चे तेल की नरम कीमतों और बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट से जोखिम कुछ हद तक सीमित रहा। लाइब्रलॉग वैश्व के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्षविराम को लेकर स्पष्टता नहीं होने से वैश्विक निवेशक सतर्क रहे, जिससे इतिवर्ती बाजारों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति सीमित रही।

आईएमडी ने कहा- देश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा

छत्तीसगढ़ सहित 22 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट, कुछ इलाकों में लू की भी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

देश के कई इलाकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाले थंडरस्क्वाल (प्रचंड तूफान) और बवंडर आने की आशंका है। देश के मौसम की ऐसी स्थिति 4 जून तक बनी रहने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइनों के सक्रिय होने के कारण उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और दक्षिण भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आ रहा है। इसके चलते अगले कुछ दिनों तक देश के बड़े हिस्से में आंधी और बारिश का दौर जारी रहेगा। आईएमडी के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक़्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा।



30 मई को मध्यभारत में अलग-अलग स्थानों पर बनेगी हीटवेव (लू) की स्थिति

सामान्य बारिश के 90 फीसदी से भी कम होने की जताई संभावना

अल-नीनो की भी संभावना

मौसम विभाग ने इस बार जून से सितंबर तक होने वाली बरसात का अपडेट देते हुए बताया कि इस बार मॉनसूनी सीजन में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। वहीं जून और जुलाई के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा बना रहेगा। मौसम विभाग ने मॉनसून के दौरान हि अल-नीनो की भी संभावना जताई है जिसका असर सीधा बरसात पर होगा।

लेट हो गया है मानसून

मौसम विभाग ने बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते मानसून केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटक है और अगले 2-3 दिन इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान बताया था।

छत्तीसगढ़ में ओले-बारिश, कुछ इलाकों में लू की भी चेतावनी



यहां लू का रहेगा प्रकोप

राहत के बीच कुछ इलाकों में अभी भी लू का प्रकोप रहेगा। 30 मई को विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव (लू) की स्थिति बनी रहेगी। वहीं, तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को लू चलने की संभावना है जबकि तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल में 29 मई को गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 30 से 31 मई के दौरान 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से थंडरस्क्वाल (तूफान) चलने की संभावना है। इसके अलावा 29 और 30 मई को दोनों राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि होने की भी चेतावनी है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 31 मई और 1 जून को भारी बारिश का भी अलर्ट है। विदर्भ में 29 मई से 1 जून के दौरान 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफान और 30 व 31 मई को ओलावृष्टि की संभावना है। गुजरात क्षेत्र में 31 मई से 2 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूरे गुजरात राज्य में 30 मई से 4 जून तक आंधी-तूफान का अलर्ट रहेगा।

जमानत पर आदेश उसी दिन या अगले दिन देना होगा

सुप्रीम कोर्ट का अहम निर्देश, हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देश के हाईकोर्ट में लंबित मामलों और फैसलों में देरी को लेकर बड़ा कदम उठाया है। शीप अदालत ने जल्द इंसाफ देने की कवायद को लेकर अहम और बाध्यकारी दिशा-निर्देश जारी किया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि हाईकोर्ट में सुरक्षित फैसले पर अधिकतम 3 महीने में निर्णय सुनाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत मामलों में फैसला यथासंभव अगले दिन दिया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपने फैसले में ये कहा है।



जमानत को लेकर भी बड़ा आदेश

इसके अलावा जमानत मामलों में फैसला यथासंभव अगले दिन दिया जाएगा और उसी दिन जेल अधिकारियों को भी सूचित किया जाएगा। शीप अदालत ने अपने आदेश में साथ ही कहा कि जिन जिन मामलों में व्यक्ति हिरासत में है, उसमें इंटरडायल को उसी दिन या अधिकतम अगले दिन रिहा करना होगा।

वेबसाइट पर अपलोड करना होगा फैसले का पूरा कारण

सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही कहा कि अदालत में केवल ऑपरेटिव (मुख्य) हिस्सा तुरंत घोषित किया जाएगा, जबकि विस्तृत कारण 7 दिनों के भीतर अपलोड करना अनिवार्य होगा। फैसले सुरक्षित रखने की तारीख को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से दिखाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं होता, तो मामलों को किसी अन्य बेंच को सौंपा जा सकता है।

सीबीआई ने बनाया आरोपी

रिलायंस कम्युनिकेशंस समेत 16 के खिलाफ पहली चार्जशीट

नई दिल्ली। सीबीआई ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। विशेष सीबीआई अदालत, मुंबई में दाखिल चार्जशीट में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, कंपनी के पांच वरिष्ठ अधिकारियों तथा तीन बैंकों के 10 अधिकारियों समेत कुल 16 लोगों को आरोपी बनाया है। आरोपियों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक गबन के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक कदाचार के आरोप लगाए गए हैं।

2 हजार 50 करोड़ के फंड के दुरुपयोग का आरोप

यह चार्जशीट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मंजूर 1200 करोड़ रुपये के टर्म लोन, बैंक ऑफ महाराष्ट्र की 500 करोड़ रुपये की लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधा तथा तत्कालीन सिडिकेट बैंक की 350 करोड़ रुपये की एलओसी सुविधा के कथित दुरुपयोग से संबंधित है। सीबीआई का आरोप है कि इन सार्वजनिक धनराशियों को विधिरित उद्देश्य के बिना कथित रूप से डाकघर और क्रिस्प्रोपियेटेड किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत, डब्ल्यूआई की दलीलें खारिज

एशियन गेम्स के लिए ट्रायल दे सकेंगी पहलवान विनेश

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा की ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल की अनुमति दे दी है। 28 मई को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआई) ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसे जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच ने ठुकरा दिया। बेंच ने कहा कि फोगाट ने देश का सिर ऊंचा किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है।'



इस दिन होंगे ट्रायल

बता दें, ट्रायल 30 व 31 मई को दिल्ली में होने हैं। इन ट्रायल में प्रदर्शनी के आधार पर इंडी साल सितंबर में जापान में होने वाली एशियन गेम्स में खिलाड़ियों का चयन होगा।

आप शानदार रेसलर हैं

जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे श्रेष्ठलु को बाधित नहीं कर सकता। फिलहाल एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। मामले की सुनवाई जारी रहेगी और नियमों से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जाएगा।'

यूपी में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब शुक्रवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिसर्च फोर्स (एसडीआरएफ) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अगर शराब कंपनी को शराब के परिवहन के लिए लाइसेंस लेना है, तो इस बात की गारंटी है कि यह काम पांच दिनों में हो जाएगा। लेकिन अगर किसी गरीब को गरीब होने यानी ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र चाहिए तो सरकार इस सेवा के लिए पूरे 15 दिन का समय लेगी। राज्य सरकार ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दो विभागों वाणिज्यिक कर (आबकारी विभाग) और राजस्व विभाग में सेवाएं देने के लिए समय सीमा तय की है। इस बदलाव के तहत तय किया गया है कि किस सेवा के लिए कितने दिन लगेंगे।



जवाबदेही और अपील प्रक्रिया

इन सेवाओं को समय पर प्रदान करने के लिए प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट कर दी गई है। प्रत्येक सेवा के लिए लोक प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी के पदनाम तय किए गए हैं, ताकि सेवा में देरी होने पर नागरिक उचित स्तर पर अपील कर सके।

गरीब होने का प्रमाणपत्र मिलेगा 15 दिनों में

लोक सेवा गारंटी का एक और बदलाव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में किया गया है। यहां अलग-अलग तरह की सेवाओं के लिए समय सीमा तय की गई है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाणपत्र- 15 कार्य दिवस में मिलेगा, प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति हेतु आर्थिक सहायता- 15 कार्य दिवस, सड़क दुर्घटना में मृत्यु या गंभीर घायल होने पर ►►शेष पेज 8 पर

शराब परिवहन के लिए पांच दिन...

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के पालन में राज्य सरकार ने वाणिज्यिक कर (आबकारी विभाग) द्वारा शराब परिवहन के लिए बिंदू जाने वाले ट्रांसपोर्ट परमिट के लिए पांच दिन की समय सीमा रखी है। यानि शराब के थोक परिवहन और वेयर हाउस से शराब दुकानों तक माल पहुंचाने के लिए समय सीमा तय की ►►शेष पेज 8 पर

Amul Milk.

Always Fresh.

180 days shelf life

No need to boil

Anytime, anywhere

चिंतन

खेलों को राजनीति से दूर रखने की जरूरत

खेलों में राजनीति कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह इस हद तक बढ़ जाए कि खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए कोर्ट तक जाना पड़े तो यह किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है। हालांकि, यह स्थिति खिलाड़ियों और राजनेताओं दोनों के लिए ही खतरनाक है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ता है, वहीं राजनीति पर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में जरूरी है कि खेलों को राजनीति से दूर रखा जाए, तभी खेलों का विकास संभव हो सकेगा। देखने में आया है कि खेल जगत में पिछले कुछ वर्षों में जितनी चर्चा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की नहीं हुई, उससे कहीं अधिक विवादों, धरनों, अदालतों और राजनीतिक बयानबाजी की हुई है। ओलंपियन विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी व्यापक संकट के बीच आया है। अदालत ने जहां खिलाड़ी के अधिकारों का सम्मान किया, वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि "देश सबसे पहले" और खेल व्यवस्था की निष्पक्षता सर्वोपरि है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय खेलों का वातावरण इस हद तक विवादित क्यों हो गया कि खिलाड़ियों को अपने अधिकारों के लिए सड़क से अदालत तक लड़ाई लड़नी पड़ रही है। खेल मैदानों में अब प्रदर्शन से अधिक चर्चा संघों की राजनीति, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष की होने लगी है। विनेश फोगाट भारतीय महिला कुश्ती का बड़ा चेहरा रही हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को गौरव दिलाया है। पिछले कुछ वर्षों में उनका नाम खेल उपलब्धियों से ज्यादा विवादों के संदर्भ में सामने आया। भारतीय कुश्ती महासंघ और खिलाड़ियों के बीच टकराव, धरने-प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और फिर कानूनी लड़ाइयों ने यह दिखाया कि खेल प्रशासन में भरोसे का संकट गहराता जा रहा है। खिलाड़ी ध्यान रखें कि वे किसी विचारधारा या राजनीतिक समूह के प्रतीक न बनें और अपने खेल पर ध्यान दें। राजनेताओं की भूमिका खेलों के विकास तक सीमित रहनी चाहिए। जब खिलाड़ी राजनीतिक लाभ का माध्यम बनने लगते हैं, तब खेल का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है। यह स्थिति खिलाड़ियों के लिए भी उतनी ही नुकसानदायक है, जितनी खेल संस्थाओं के लिए। हालांकि, केवल राजनेताओं को दोष देना तर्पित नहीं होगा। खेल संघों और प्रशासकों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। भारतीय कुश्ती महासंघ जैसे संगठनों पर समय-समय पर पारदर्शिता की कमी, पक्षपात और मनमानी के आरोप लगते रहे हैं। यदि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय होती, तो शायद विवाद अदालत तक नहीं पहुंचते। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग और स्वतंत्र पर्व्यवेक्षकों की निगरानी का निर्देश इसी भरोसे को बहाल करने की कोशिश है। अदालत का यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि किसी एक खिलाड़ी के कारण पूरे चयन कार्यक्रम को बाधित नहीं किया जा सकता। खेलों में नियम और प्रक्रिया सभी के लिए समान होनी चाहिए। चयन का आधार केवल प्रदर्शन होना चाहिए, न कि प्रभाव, लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन। यदि खिलाड़ी लगातार विवादों और असुरक्षा के माहौल में रहेंगे, तो इसका सीधा असर देश के प्रदर्शन पर पड़ेगा। विनेश फोगाट प्रकरण से सबसे बड़ा सबक यही निकलता है कि खेलों को अदालतों और राजनीतिक मंचों से निकालकर फिर से मैदान तक लाना होगा। खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करें, किसी दल या विचारधारा का नहीं। जब खेल राजनीति से मुक्त होंगे, तभी प्रतिभा खुलकर सामने आएगी और देश को वास्तविक गौरव मिलेगा।

दिवस विशेष

हर्षवर्धन पान्डे



हिन्दी पत्रकारिता कल, आज और कल

भारतवर्ष में पत्रकारिता का अनुभव सदियों पूर्व किया जाता रहा है। किसी न किसी रूप में सनातन काल से कलम साधना की परम्परा सर्वश्रेष्ठ रही है। आज हम जो कुछ भी पढ़ते हैं, लिखते हैं, सुनते हैं, सबकुछ कलम साधना का ही प्रतिफल है। कलम न होती तो शायद संसार में ज्ञान का अस्तित्व ही न होता। 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिन्दी का पहला समाचार पत्र ‘उदन्त मार्तण्ड’ का प्रकाशन हुआ था। भारत में जब आधुनिक पत्रकारिता प्रारंभ हुई, तब हमारे पूर्वजों ने इसके लिए दैवीय अधिष्ठान की खोज प्रारंभ कर दी। उनकी वह तलाश तीनों लोक में भ्रमण करने वाले और कल्याणकारी समाचारों का संचार करने वाले देवर्षि नारद पर जाकर पूरी हुई। ‘उदन्त मार्तण्ड’ के प्रकाशन के लिए संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारद जयंती 30 मई, 1826 की तिथि का ही चयन किया। देवर्षि नारद इस पत्रकारिता जगत के आदि पुरुष माने गए हैं। हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा लगभग 200 वर्ष पुरानी है। 30 मई 1826 को कलकत्ता से प्रकाशित उदन्त मार्तण्ड को हिन्दी पत्रकारिता का प्रथम प्रकाशन माना जाता है। ‘उदन्त मार्तण्ड’ का शाब्दिक अर्थ है ‘उगता हुआ सूर्य’। यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था जो प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होता था। 30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस, हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली परंपरा को सहजता का अवसर है। इस तरह चलते-चलते 30 मई 1826 को हिन्दी पत्रकारिता का उदय हुआ। पं. युगल किशोर शुक्ल इस समाचार पत्र के सम्पादक थे, जो सम्पादक: हिन्दी पत्रकारिता के पहले सम्पादक थे। हालांकि आर्थिक कठिनाइयों के चलते 11 दिसम्बर 1827 को यह समाचार पत्र बंद हो गया था, लेकिन हिन्दी पत्रकारिता ने इस दौर से धीरे-धीरे जो तेजी पकड़ी, वह अब तक अनवरत जारी है। हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को जागरूक करने, समाज को सही दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी की लड़ाई में हिंदी समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने और देशभक्ति की भावना जगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1920 से 1947 तक गांधी युग के समय में समाचार पत्रों की बाढ़ सी आ गयी। महात्मा गांधी ने कहा था कि पत्रकारिता का पहले उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना, उनमें वांछनीय उद्देश्यों को जागृत करना और सार्वजनिक दोषों को निर्भीकतापूर्वक प्रकट करना है अर्थात समाज को बदलना ही पत्रकारिता का मुख्य दायित्व है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता अपने दायित्वबोध से भावी पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित कर पाएगी। अंग्रेजों की दासता में बंबादी और अपमान झेलते भारत की दुर्दशा के कारणों को पहचान भारतेंदु काल से ही शुरू हो गई थी, इसे राजनीतिक और सांस्कृतिक सरोकारों से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गहराई से जोड़ दिया। हिंदी साहित्य से जुड़े व्यक्तियों का हिंदी पत्रकारिता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे तत्कालीन अखबारों ने शिद्दत से निभाया। उस समय पत्रकारिता एक ‘मिशन’ थी लेकिन समय के साथ- साथ मिशन ‘प्रोफेशन’ में तब्दील हो गया। जैसे-जैसे सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन आता गया, पत्रकारिता भी उससे प्रभावित होती गई। अखबार अब सिर्फ खबरों को जानने का साधन नहीं रहे बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण खबरें बनाने भी लगे, क्योंकि चौबीस घंटे चैनलों पर ब्रेकिंग न्यूज चलाए जाने लगे। व्यवसायिकता और टी.आर.पी. की अंधी दौड़ ने पत्रकारिता के मूल्यों को बदल कर रख दिया। 2025–26 के आंकड़ों के अनुसार भारत में डिजिटल मीडिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें क्षेत्रीय भाषा कंटेंट खासकर हिन्दी का बड़ा योगदान है। इधर हिन्दी ने अंग्रेजी मीडिया के दबदबे को काफी हद तक चुनौती दी है क्योंकि इस दौर में हिंदी बाजार की भाषा बन चुकी है। मूर्धन्य संपादक शिवपूजन सहाय ने एक बार कहा था कि भारत की साधारण जनता तक पहुंचने के लिए दैनिक पत्र ही सर्वोत्तम साधन है। देश-देशांतर के समाचारों के साथ भाषा और साहित्य का संदेश भी दैनिक पत्रों द्वारा आसानी से जनता तक पहुंचा सकते हैं और पहुंचाते आए हैं। आज मीडिया कन्वर्जेंस के इस दौर में भले ही प्रचार से लेकर विज्ञापन और राजस्व परीक्षा तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, लेकिन एक बात साफ है कि समाचार पत्रों के प्रति जनता का भरोसा और विश्वसनीयता बरकरार है। तमाम चुनौतियों के बाद भी हिंदी पत्रकारिता निरंतर आगे बढ़ रही है। 200 वर्ष की हिंदी पत्रकारिता की यात्रा हमें सिखाती है कि सत्य, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व ही इसके मूल स्तंभ हैं। भविष्य में तकनीक, जनसरोकार और जवाबदेही की राह पर चलकर ही हिन्दी पत्रकारिता टिकेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



व्यवस्था

कांतिलाल मांडोत



सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

तकनीकी क्रांति से बदलेगा खाद्य सुरक्षा तंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं, जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी

तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए। इससे लाभार्थियों को राशन लेने में कम परेशानी होगी और अधिकारियों के लिए निगरानी करना आसान हो जाएगा। आने वाले समय में लाभार्थियों का पूरा डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा, जिससे योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी। इस योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों को मिलने वाली आर्थिक सहायता है। अभी तक भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से अनाज को जिलों और राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को भारी खर्च उठाना पड़ता था। कई राज्यों ने इस संबंध में आर्थिक बोझ की समस्या भी उठाई



थी। अब केंद्र सरकार ने इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इससे राज्यों को राहत मिलेगी और राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई बार परिवहन व्यवस्था में देरी या संसाधनों की कमी के कारण राशन समय पर दुकानों तक नहीं पहुंच पाता था। नई व्यवस्था से वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु बनने की उम्मीद है। राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी का फैसला भी इस योजना का अहम हिस्सा है। देशभर में लाखों राशन डीलर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। लंबे समय से वे अपने कमीशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे क्योंकि बढ़ती महंगाई और संचालन खर्च के बीच पुराने कमीशन में दुकानों का संचालन कठिन हो रहा था। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी तथा ईमानदारी के साथ काम कर सकेंगे। जब किसी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और डीलरों को उचित आर्थिक सहयोग मिलता है तो

जीवन का मात्र अनुभव करें

अकसर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे।जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुःखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीबी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का खयाल रखा जाएगा। आप बस उस पिंजरे में रहिए। क्या आप ऐसा चाहते हैं? क्या इससे आपको सुख मिलेगा? नहीं।



संकलित

दर्शन

अंतर्मन



करंट अफेयर

अभिनेत्री मर्लिन मुनरो के अंतिम घर पर फिर बहस

हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की महज 36 वर्ष की आयु में हुई असमय मृत्यु लंबे समय से रहस्य और चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी मौत को लेकर अनेक तरह की कथाएं और अटकलें दशकों से चर्चा में रही हैं। मुनरो अपने अंतिम घर में केवल छह महीने रही, लेकिन जिस घर में उनकी मृत्यु हुई, वह अब प्रशासकों के लिए लगभग तीर्थस्थल जैसा बन गया है। यह स्थिति वैसी ही है जैसी लॉस एंजिलिस स्थित उनके स्मारक वेस्टवुड विलेज मेमोरियल पार्क की है। इस आकर्षण घर का द्वाहहारिक असर भी देखने को मिला है। इस वर्ष घर के मीजुड़ा मालिकों ने ‘सिटी ऑफ लॉस एंजिलिस’ के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि 2024 में इस संपत्ति को ‘ऐतिहासिक–सांस्कृतिक स्मारक’ घोषित किए जाने से वे मकान को गिराकर वहां पुनर्विकास नहीं कर पा रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि संपत्ति के मालिकों को पहले से जानकारी थी कि यह घर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है और भविष्य में इसे विरासत स्थल का दर्जा मिल सकता है। प्रशासन के अनुसार, मुनरो की पहचान हमेशा इस घर से जुड़ी रहेगी। लेखक ने अपने हालिया शोध में यह समझने का प्रयास किया कि ‘फिफ्ट हेलेना’ नामक यह घर मुनरो के लिए उनके जीवनकाल में क्या मायने रखता था।



सामान्य कमजोरी, संज्ञानात्मक गिरावट, दृष्टि और श्रवण की हानि और कई अन्य अपेक्षीय परिवर्तन जो मानव उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं। और मनुष्य की उम्र इतनी अधिक होने का कारण यह तथ्य हो सकता है कि हमारे पूर्वज डायनासोर के समय में विकसित हुए थे। अन्य स्तनधारियों की तुलना में मनुष्य का जीवन लंबा होता है। सभी भूमि–आधारित स्तनधारियों की तुलना में हमारा जीवनकाल सबसे लंबा है, और सभी स्तनधारियों में से केवल ह्वेल ही संभवतः हमसे अधिक जीवित रहती हैं।



संकलित

प्रेरणा

आज की पाती

ऊर्जा क्रांति की नई पारदर्शी तकनीक

शुरुआत दुनिया तेजी से स्वरक्ष ऊर्जा की ओर बढ़ रही है और इसी दिशा में रिंगापुर की एक युनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने ऐसी अल्ट्रा-थिन सोलर सेल विकसित की है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादन की पूरी तस्वीर बदल सकती है। यह तकनीक इतनी पतली है कि इनसान के बाल के 10,000वें हिस्से जितनी मोटाई में भी बिजली पैदा कर सकती है। खास बात यह है कि यह सोलर सेल पारदर्शी और रंगहीन है, इसलिए इसे बिड़कियों, कारों की विंडशील्ड, मोबाइल स्क्रीन, स्मार्ट क्लास और ऊंची इमारतों के कांच पर आसानी से लगाया जा सकता है। अब तक सोलर ऊर्जा का मतलब बड़े और भारी फैल माने जाते थे, जिन्हें छतों पर लगाने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है। नई तकनीक ‘बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक अवधारणा को नई गति दे सकती है। -समीर पाठक, मरियाबंद

ऑफ बीट

क्या इंसानों के जीवित नहीं रहने का कारण डायनासोर थे

सभी इंसानों की उम्र बढ़ती है। यह हमारे जीव विज्ञान का हिस्सा है और हमारे जीवनकाल को 120 वर्ष से थोड़ा अधिक तक सीमित करता है। सभी जानवर अपने जीवन के दौरान उम्र बढ़ने का अनुभव नहीं करते हैं। कुछ जानवरों का शरीर हमारे शरीर की तरह उम्र बढ़ने के साथ–साथ धीरे–धीरे खराब नहीं होता है। लेकिन मनुष्य जब 30 वर्ष की आयु तक पहुंचते हैं तो उनके मरने की संभावना लगभग हर आठ साल में दोगुनी हो जाती है। इसलिए भले ही आप शतायु होने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली हो, हर साल आपके मरने की संभावना अधिक होगी। यह उच्च मृत्यु दर कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दर्शाती है, जैसे मांसपेशियों की हानि और

व्यवस्था की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह योजना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भी बड़ा कदम है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बड़ी आबादी अभी भी आर्थिक रूप से कमजोर है वहां सस्ती दरों पर मिलने वाला राशन करोड़ों परिवारों के लिए जीवन का आधार है। कोविड महामारी के दौरान देश ने देखा कि मुफ्त राशन योजना ने गरीबों को संकट से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे में राशन व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी तथा मजबूत बनाना समय की बड़ी जरूरत थी। सार्थक पीडीएस योजना इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी पहल मानी जा रही है। सरकार का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी और खाद्यान्न की चोरी पर रोक लगेगी। कई बार शिकायतें आती थीं कि लाभार्थियों के नाम पर राशन उठाकर बाजार में बेच दिया जाता था। जब पूरी व्यवस्था ऑनलाइन निगरानी से जुड़ जाएगी, तब हर चरण की जानकारी रिकॉर्ड में रहेगी। इससे अनाज की आवाजाही से लेकर वितरण तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। पारदर्शिता बढ़ने से जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। डिजिटल ईडिया अभियान के माध्यम से सरकार पहले ही कई सेवाओं को ऑनलाइन कर चुकी है। अब राशन व्यवस्था को भी इसी दिशा में ले जाने का प्रयास हो रहा है। आने वाले वर्षों में यह योजना देश की सबसे आधुनिक और प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है। कैबिनेट बैठक में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों और विभागों को पूरी गंभीरता और राष्ट्रहित की भावना के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य केवल राशन बांटना नहीं बल्कि गरीबों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना भी है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। तकनीक आधारित यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। सरकार का यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देख सकते हैं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका–एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी–मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आध्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सहा पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहाँ और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूँ लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।



स्मृति पुस्तक

ऑपरेशन सिंदूर पर जारी स्मृति पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से कहीं आगे बढ़कर हताहत वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को खनोटे हुए है और आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की झलक प्रस्तुत करती है। - रागनाथ सिंह, रथानगर

बसों में मुफ्त यात्रा

21 जून को नीट परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सहायता के लिए, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन अनुविधा नहीं होनी चाहिए, जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। - रेखा गुप्ता, सीएन, नई दिल्ली

संस्कृति पर गर्व

मैं एक स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता हूँ, इसलिए मुझे असम में युसीसी लागू करने का खास मिला है। इसी विचारधारा ने हमें अपनी 5000 वर्ष की गौरवशाली संरचना और संस्कृति पर गर्व करने सिखाया है। - हिमंता बिस्वा सरमा, सीएन, असम

बेईमानी की चाशनी

भाजपा शासन में, सुबह पुल गिरने की खबर आती है, दोपहर तक रेलवे स्टेशन का रोड गिरने की खबर फैल जाती है, और शान तक वांग एकाडेमवे ने दर्जों सुर्खियों ने छा जाती है। भाजपा के ब्लाटवार की कड़वी जलेबी, बेईमानी की चाशनी हो डूबी हुई, अब सहज नहीं की जा सकती। - अखिलेश यादव, सांसद, रापा

हमास पता

हरिभूमि कार्यालय

रिम रोड नं. 2, गौरवास्थ, बिलासपुर
फ़ोन : 401050, 271016,फ़ैक्स- 271018
ई–मेल : haribhoomi.bsp@gmail.com
वेब–साइट : www.haribhoomi.com

निजी स्कूलों में श्रमिक परिवार की आरक्षित सीट होगी दोगुनी

हरिभूमि न्यूज़ ► रायपुर

निजी स्कूलों में श्रमिक परिवार के बच्चों को दिए जाने वाले दाखिले में इस सत्र से वृद्धि होगी। उनके लिए आरक्षित सीटों की संख्या अब बढ़ाकर दोगुनी कर दी गई है।

श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने मंत्रालय में श्रम विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान श्रमिकों के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले, इस दिशा में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को स्कूलों में दाखिला प्रदान करने संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दिशा में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। नए शैक्षणिक सत्र से सीटों की संख्या बढ़ाकर 100 से 200 कर दी गई है। इस योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों को प्रदेश के निजी स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त होगी।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत की जाएगी व्यवस्था



अब तक आरक्षित थी 100 सीटें, अब 200 सीटों पर दाखिले

अपात्र व्यक्तियों को मिला लाभ तो होगी कार्रवाई

छात्रों की शिक्षा का पूरा खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। श्रमायुक्त ने जिलों के श्रम पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस योजना में अपात्र व्यक्ति को लाभ मिलने अथवा किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित जिलों के श्रम अधिकारी जावाबदेह होंगे और उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में अपर श्रमायुक्त एसएल जांगड़े व सचिवा मिश्र, सनिर्माण कर्मकार मंडल सचिव गिरीश रामटेके, श्रम विभाग उप सचिव विपुल गुप्ता सहित विभिन्न जिलों से आए श्रम विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित रहे।

धान खरीदी केंद्रों के भौतिक सत्यापन में सामने आई गड़बड़ी

12 समितियों में 6590 क्विंटल धान शॉर्टेज मिला, 3 के खिलाफ एफआईआर

हरिभूमि न्यूज़ ► रायपुर

रायपुर जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का उठाव होने के बाद सभी समितियों में शेष भंडारित धान की जांच की गई। इस जांच में 12 समितियों में कुल 6590 क्विंटल धान का शॉर्टेज पाया गया है। इसके तहत इन समितियों को नोटिस जारी किया गया है। इनमें से तीन समितियों का जवाब आया है, जिसे संतोषजनक नहीं पाया गया। इस मामले में अब प्रशासन स्तर पर समितियों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब तक 3 समितियों के विरुद्ध एफआईआर कराई गई है, वहीं अन्य समितियों के खिलाफ भी एफआईआर कराए जाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि धान खरीदी समिति संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र साहू ने समिति प्रबंधकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को गलत बताया है।

समितियों में 229 से 850 क्विंटल तक धान शॉर्टेज- खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों के धान समितियों में धान का शॉर्टेज शून्य हुआ है या नहीं, इसकी जांच के लिए भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए विभाग ने रायपुर जिले में भी कमेटी गठित की थी। इस कमेटी में खाद्य, राजस्व, मंडी एवं सहाकारिता विभाग के निरीक्षकों को शामिल किया गया है, जिनके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों की धान समितियों में जाकर भंडारित धान का भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान धान समितियों में बड़ी मात्रा में धान का शॉर्टेज मिला है, जिसकी कुल कीमत करोड़ों रुपए में है। मिली जानकारी के अनुसार जिन समितियों में धान शॉर्टेज मिला है, उनमें कहीं 229 क्विंटल, कहीं 5 से 6 सौ, तो कहीं 7 से साढ़े 8 सौ क्विंटल धान शॉर्टेज मिला है। रायपुर के अलावा अन्य कई जिलों में भी कई समितियों में धान शॉर्टेज मिलने की खबर है।

शॉर्टेज के बदले धान-राशि जमा करने के निर्देश भौतिक सत्यापन के दौरान जिन धान खरीदी केंद्र समितियों में धान का शॉर्टेज मिला है, उन समितियों के प्रबंधकों को शॉर्टेज धान के बदले में धान या राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अब तक किसी भी समिति ने इसका पालन नहीं किया है। समितियों की मनमानी के चलते अब प्रशासन उनके खिलाफ एफआईआर कराने की कार्रवाई कर रही है।

इन समितियों के खिलाफ एफआईआर

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार खौना धरसीवा, रवेली अभनपुर एवं छदिया खरोरा समितियों के खिलाफ थाने में एफआईआर कराई गई है। इन समितियों के प्रबंधकों ने शॉर्टेज धान की भरपाई करने से इंकार कर दिए हैं। इस कारण से उनके खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शाखा	उपार्जन केंद्र समिति	शॉर्टेज धान क्विंटल में
धरसीवा	कुम्हारी धरसीवा	298.40
खरोरा	खरोरा	306.78
खरोरा	छदिया	455.21
तिल्दा	सरफोंगा	510.52
तिल्दा	लिहड़ा	538.34
तिल्दा	देवरी तिल्दा	560.41
मंदिर हसौद	टेकारी मंदिर हसौद	608.80
खोरपा	टिकारी	732.39
खोरपा	फरफौद	734.10
आरंग	रीवा	855.92
धरसीवा	खौना	229.60
अमनपुर	रवेली	305.20

तीन समितियों के खिलाफ एफआईआर

भौतिक सत्यापन में जहां धान का शॉर्टेज मिला है। उन समितियों को शॉर्टेज धान के बदले धान या राशि जमा करने कहा जा रहा है। इस निर्देश का पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तीन समितियों के खिलाफ एफआईआर कराई गई है।

—कौर्निगन सिंह राठौर, अपर कलेक्टर रायपुर

प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर करना गलत

समितियों में शॉर्टेज मिलना कोई घोटाला नहीं है। यह मार्केट और राईस मिलर्स की लापरवाही का परिणाम है, जिसके कारण सूखड़ आने से धान का वजन कम हो जाता है। समय पर उठाव नहीं करने पर राईस मिलर्स पर मार्केट डेफाल्टी भी लगती है। ऐसे में समितियों के प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर करना सफरसर गलत है।

—नरेंद्र कुमार साहू, प्रांतीय अध्यक्ष, छग धान खरीदी समिति संघ

दस्तावेजों में कूटरचना कर छग का निवास प्रमाण पत्र बनाने वाला गिरोह पकड़ाया गया

बलरामपुर। जिले में पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सीआरपीएफ व अन्य शासकीय सेवाओं में भर्ती होने वाले गिरोह का पर्दा फाश करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों द्वारा दूसरों के दस्तावेजों में कूटरचना कर अपना निवास प्रमाण पत्र के साथ ही अन्य दस्तावेज तैयार किया गया। पुलिस ने एमपी के साथ ही डोंगरगढ़ क्षेत्र के आरोपियों को पकड़ा है।

बता दें कि तहसीलदार बलरामपुर द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि जगदलपुर करनपुर सीआरपीएफ कोबरा बटालियन में पदस्थ सुमित आ. अचल सिंह द्वारा तहसील कार्यालय बलरामपुर से ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से विशाल सोनी आ. स्व. सुरेश सोनी के शैक्षणिक दस्तावेजों तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों में कूटरचना अपने नाम का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र तैयार किया था इसी प्रमाण पत्र के आधार पर वह नौकरी कर रहा था। जांच में यह बात सामने आई कि आरोपी राजस्थान के धौलपुर का रहने वाला है। पुलिस ने अचल सिंह व अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2), 319(2), 336(3), 338, 340(2), 61(2)(ए) एवं 66(सी), 66(डी) आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया था। जांच में पुष्टि हुई कि राजस्थान धौलपुर के रंध निवासी सुमित सिंह ने छग राज्य के कोटे का अवैध लाभ लेकर वर्ष 2023 में सीआरपीएफ में एसएससी के माध्यम से भर्ती हुआ था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने दस्तावेजों में कूटरचना करने वाले आरोपियों मध्य प्रदेश के मोरना खांड का पुरा निवासी 24 वर्षीय विवेक सिंह तोमर आ. रामसिया सिंह तोमर व 22 वर्षीय आकाश सिंह आ. रामानंद शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान यह बात सामने आई कि विवेक सिंह तोमर के द्वारा स्वयं का भी डोंगरगढ़ से फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके छत्तीसगढ़ राज्य का निवास प्रमाण पत्र बनवाया गया है।

पत्थलगंव। थाना क्षेत्र के ग्राम जुनवानी खारापारा में प्रेम प्रसंग का विवाद खूनी वारदात में बदल गया। लंबे समय से चल रहे अवैध संबंध और सामाजिक विवाद के बीच एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पति ने अपने भाई और एक नाबालिग के साथ मिलकर पत्नी के प्रेमी को पहले जमीन पर पटक-पटक कर पीटा, फिर पत्थर से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान 34 वर्षीय सुशील खलखो निवासी ग्राम जुनवानी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक सुशील खलखो और आरोपी जयलाल एक्का की पत्नी के बीच पिछले तीन से चार वर्षों से प्रेम संबंध था। इसी संबंध को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था। महिला ने सुशील के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद उसे जेल जाना पड़ा था। कड़ीब डेढ़ महीने पहले वह जमानत पर बाहर आया था। प्रामीणों के मुताबिक जेल से लौटने के बाद भी दोनों के बीच बातचीत और मुलाकात जारी रही। इसकी जानकारी आरोपी और उसके परिजनों को लगी तो लगी गांव में सामाजिक बैठक बुलाई गई।

**राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान**
NATIONAL INSTITUTE OF NATUROPATHY
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार Ministry of Ayush, Govt. of India
‘आयु भवन’, मातो जी रमाबाई आंबेकर रोड, पुणे - 411004, महाराष्ट्र टेलीफोन: 020-26059682/3
ई-मेल : tatc.admission@gmail.com | वेबसाइट : www.ninpure.ayush.gov.in

प्रवेश सूचना
प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग में निःशुल्क एक वर्षीय उपचार सहायक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (TATC): बैक-इन इंटरव्यू द्वारा प्रवेश
योग्यता :
* 10 वीं पास (+2 (किसी भी शाखा) वाले उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी।
* न्यूनतम आयु सीमा: 18 वर्ष
* पाठ्यक्रम शुरू: निःशुल्क
* छात्रवृत्ति (मानदेय): रु. 8000/- प्रति माह दिया जाएगा
* साक्षात्कार की तिथि एवं समय: 18 और 19 जून, 2026 (सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक)
* आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 15 जून, 2026
अधिक जानकारी के लिए संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट देखें: www.ninpure.ayush.gov.in
cbc 17211/11U003/2627
प्रचारी निदेशक

शिक्षा विभाग का गजब खेला

गुरुजी को बना दिया तहसील का बाबू, अब रिश्तत लेने के चक्कर में पहुंच गया जेल

रायगढ़। शिक्षा विभाग में अटैचमेंट का गजब खेल चल रहा है। यहां जो हो जाए कम है। हद तो तब हो गई जब एक गुरुजी को तहसील का बाबू बना दिया गया। तहसील में अटैच होने के बाद गुरुजी में लालच की लत ऐसी लगी की रिश्तत की डिमांड खुलेआम करने लगा। इसी रिश्तत लेने के चक्कर में अब वह जेल पहुंच गया। यह शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी और अटैचमेंट के खेल का ही नतीजा है। शुक्रवार को तुलाराम पटेल को एसीबी ने 60 हजार रिश्तत लेते पकड़ लिया है। ऐसे में अब वह जेल की हवा खाएगा।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जिले में ऐसी मनमानी चल रही है कि जो शिक्षक जहां चाहे वहां अटैच करा सकता है। ऐसे

■ जाति, निवास और अन्य प्रमाण पत्र के नाम पर था तहसील में अटैच, बंदी लालच तो पहुंचा जेल

ही शुक्रवार को जो मामला सामने आया है उसने शिक्षा विभाग के पूरे सिस्टम को हिला दिया है। एक शिक्षक को अटैचमेंट के नाम पर तहसील का बाबू बना दिया गया था। वह बाबू पैसे की लालच में आज जेल पहुंच गया है। दरअसल धरमजयगढ़ बीईओ की ओर से बीते 28 जुलाई 2025 को एक आदेश जारी किया गया था। उसमें कुम्हीचुंवा प्राइमरी स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक एलबी तुलाराम पटेल को प्राइमरी स्कूल पुस्ला में अटैच किया गया था। इसमें आईई में अध्यापन कार्य के साथ ही साथ जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र का नोडल कार्य करने के लिए आदेशित किया गया था। जानकारी मिली है कि जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र बनाने के चक्कर में वह छाल तहसील में ही बैठने लगा। धीरे-धीरे वह गुरुजी न रहकर छाल तहसील का बाबू ही बन गया। इस दौरान राजस्व का काम-काज भी करने लगा। छाल तहसील का बाबू तुलाराम पटेल के मूल रूप से सहायक शिक्षक एलबी होने का खुलासा तब हुआ जब शुक्रवार को एसीबी ने उसे 60 हजार रिश्तत लेते रहे हाथ पकड़ लिया। लालच ने गुरुजी जैसे सम्मानित पद को कलंकित तो किया ही है, अब वह जेल की सलाखों में रहेगा।

इस गर्मी में ठंडक का असली मज़ा पाएं...

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े वॉटर पार्क में

MM FUN CITY लेकर आया है वेव पूल, थ्रिलिंग वॉटर स्लाइड्स, रेन डांस और खास जंगल पूल, जहां आप छोटे बच्चों और पूरी फैमिली के साथ सुरक्षित और भरपूर एंजॉय कर सकते हैं।



शराब पूर्णतः प्रतिबंधित

स्थान: गांव-बकतरा, गोदी रोड रायपुर (छ.ग.) 492 101

बुकिंग के लिए कॉल करें: 92000 92888 | 92293 90400

www.mmfuncity.com

फूड जो बनाए जश्न और भी खास

बुकिंग के लिए संपर्क करें...

वेज और नॉन-वेज स्पेशल पैकेज

एफआईआर



धमकी से डरा प्रेमी

भिलाई से जेएम तांडी

सो शल मीडिया से पहले दोस्ती, फिर प्यार... उसके बाद शादी का दबाव बनाने पर महिला शिक्षिका और उसके बेटे को रास्ते से हटाने की साजिश प्रेमी ने रच दी। दोनों के शव कुएं में पाए गए मिले। घटना अमलेश्वर थाना क्षेत्र 18-19 जून 2025 को अंजाम दिया गया था। 23 जून को जब लाश से बदबू आने लगी, तब ग्रामीणों को पता चल पाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और खोजबीन कर शव की शिनाख्त की। अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर निवासी सुनीता चतुर्वेदी (32) और काव्यांश (08) की लाश ग्राम खम्हरिया गांव के कुएं में बोरी में बंधी मिली थी। कुएं के आसपास दुर्गंध आने पर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस जब कुएं के पास पहुंची तो उनके भी होश उड़ गए। एक साथ दो लाश देख गांव में सनसनी फैल गई। जब कुएं से लाश निकाले गए, तो सुनीता और काव्यांश के हाथ पैर बंधे हुए थे। दोनों को बोरी में पत्थर बांधकर कुएं में डाला गया था। दोनों शवों का एक-दूसरे की कड़ी मिल रही थी। शव का पीएम कराया गया।

फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पहुंची, साक्ष्य संकलन कराए गए। रिपोर्ट में यह भी क्लियर हो गया कि मां बेटे की हत्या गला दबाकर की गई थी। अमलेश्वर पुलिस टीम बनाकर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास में जुटी रही। घटना के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने अपनी टीम को आरोपियों को खोजबीन करने में लगा दिया। कुछ ही दिनों में पुलिस ने दो युवकों को पकड़ लिया। युवकों का नाम ग्राम खम्हरिया निवासी छत्रपाल सिंगौर और चचेरा भाई शुभम सिंगौर है। दोनों ने स्वीकार किया कि सुनीता और काव्यांश की हत्या में दोनों का हाथ है। घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि मृतका सुनीता चतुर्वेदी उर्फ पल्लवी रायपुर स्थित निजी स्कूल में शिक्षिका थी। इस दौरान छत्रपाल सिंगौर से इंस्टाग्राम से दोनों की दोस्ती हो गई। सुनीता ने छत्रपाल को उसके पति के निधन और उसके बेटे के बारे में बता दिया था। तब छत्रपाल ने बेटे को अपनाकर शादी करने का वायदा किया था। उसके बाद सुनीता के साथ छत्रपाल संबंध बनाता रहा।

एक साथ दो लाश देख गांव में सनसनी फैल गई। जब कुएं से लाश को निकाला गया, तो सुनीता और काव्यांश के हाथ पैर बंधे हुए थे। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि दोनों को बोरी में पत्थर बांधकर कुएं में डाला गया था। दोनों शवों का एक-दूसरे की कड़ी मिल रही थी। शव का पीएम कराया गया। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पहुंची, साक्ष्य संकलन कराए गए। रिपोर्ट में यह भी क्लियर हो गया कि मां बेटे की हत्या गला दबाकर की गई थी।

मिलने के बहाने बुलाया, फिर मां-बेटे को उतारा मौत के घाट



मां बेटे के शव को फेंका कुएं में

छत्रपाल सिंगौर ने अपने प्रेस प्रसंग के बारे में चचेरा भाई शुभम को सालभर पहले ही बता दिया था। इसलिए दोनों भाइयों ने सुनीता की हत्या की प्लानिंग की। छत्रपाल ने 18 जून को सुनीता को मिलने के लिए ग्राम खम्हरिया बुलाया। लेकिन वह अपने साथ बेटे काव्यांश को भी लेकर आई थी। इसके बाद मां बेटे को गांव के बाहर एक बाड़ी में ले गए। जहां सुनीता छत्रपाल के बीच जमकर बहस हुई। दोनों भाइयों ने मिलकर महिला और उसके बेटे का गला दबाकर रास्ते से हटा दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि हत्या कर लाश को कुंआ में फेंककर पुलिस को गुमराह करने का प्लान था। लेकिन पुलिस ने छत्रपाल, शुभम को

कुएं पर बोरी में बंधी मिली दोनों की लाश



गला दबाकर हत्या

पुलिस ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी छत्रपाल सिंगौर और उसके चचेरा भाई शुभम सिंगौर ने मिलकर मां सुनीता और बेटा काव्यांश का गला दबाकर हत्या की है। दोनों के शव को कुएं में फेंक दिया गया। इस बीच सुनीता को शायद की जानकारी हुई और आरोपी छत्रपाल पर शादी के बाद घर आने की धमकी देने लगी। छत्रपाल ने बेटे के सामने ही मां का गला दबाकर हत्या कर दी। घटना का चश्मद्दृष्ट गवाह होने के कारण काव्यांश को भी ठिकाने लगा दिया। घटना के पहले सुनीता और छत्रपाल की जमकर बहस हुई थी। छत्रपाल, शुभम ने मिलकर मां बेटे को रास्ते से हटा दिया।

प्रेमी ने बिना बताए कर ली शादी

घटना के डेढ़ माह पहले ही छत्रपाल ने सुनीता को बिना बताए परिजनों की मर्जी से अपनी समाज की युवती से शादी कर ली। इसकी जानकारी जब सुनीता को हो गई तो छत्रपाल को शादी का दबाव बनाने लगी। फिर छत्रपाल का दिमाग ठनका, इसके बाद महिला को ठिकाने लगाने साजिश रच दिया। खुलासे में बताया गया कि जब पुलिस टीम गांव में घूम रही थी तो ग्रामीणों ने छत्रपाल को अनजान महिला के साथ देखा गया था। छत्रपाल से टीम पूछताछ शुरू की। दूसरी टीम आसपास के थानों में खोजबीन कर रही थी। तब पता चला कि रायपुर के सिविल लाइन थाना में सुनीता चतुर्वेदी नामक महिला की लापता की शिकायत दर्ज हुई है। परिजन ने शव को देखा तो शिनाख्त कर दिया।

यूमने के बाद एक साथ भोजन कर रात को यादगार बनाने ढाबा पहुंचे युवकों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वहां उनकी मौत इंतजार कर रही है। ढाबा के पास पहले से लूटपाट कर रहे नशेड़ी गैंग ने रायपुर के तीन युवकों को एक-एक कर खंजर से काट डाला। वहीं, उनके साथी मौत का तांडव देख अपनी जान बचाने के लिए पानी से भरे खेत में कूद गए और किसी तरह कातिलों से बच पाए।



धमतरी से संतोष सोनकर

खौफनाक वारदात से थर्राया इलाका



ध मतरी से महज 10 किलोमीटर दूर ग्राम भोयना-मथुराडीह के पास ढाबे के सामने 11 अगस्त 2025 की रात तीन युवकों के नृशंस हत्याकांड को कोई नहीं भूल पाएगा। इस हृदयविदारक घटना में तीन युवकों की जान चली गई, वहीं दो युवक किसी तरह बच पाए। 11 अगस्त को रायपुर के सुरेश तांडी (34), नितिन तांडी (32), दोनों संतोषी नगर निवासी व आलोक ठाकुर (28), सेजबहार निवासी, और अन्य दो दोस्तों के साथ घूमने के लिए धमतरी पहुंचे थे। इधर-उधर घूमने के बाद वे ग्राम सोरम निवासी अपने मित्र राहुल से मिलने चले गए। मित्र से मिलने के बाद सभी दोस्तों ने रात को यादगार बनाने के लिए किसी ढाबे में भोजन करने की योजना बनाई। सभी लोग एक कार व तीन बाइक में सवार होकर नगरी रोड के ग्राम भोयना के पास मथुराडीह मोड़ पर स्थित अन्नपूर्णा ढाबा पहुंच गए।

लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही ढाबे और नगरी रोड पर नशेड़ियों का एक गैंग जमकर तांडव मचा रहा था। गैंग ने ढाबे में तोड़फोड़ की, गल्ले से पैसे निकाले और हाईवा व कार को रोककर चाकू की नोक पर लूटपाट कर रहे थे। वे सभी दोस्त ढाबे के सामने पहुंचकर अपनी गाड़ी खड़ी कर रहे थे। एक दोस्त बाइक खड़ी कर परिचित ढाबा संचालक को पूछने चला गया, जबकि कार सवार युवक अभी नीचे उतर ही रहे थे। इसी दौरान लूटपाट कर रहे गैंग की नजर इन युवकों पर पड़ गई। उन्हें भी लूटने की नीयत से वे उनके पास पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया। मामूली विवाद से शुरू हुई लड़ाई धीरे-धीरे खूनी रूप लेती चली गई।

आलोक की शादी की तैयारी चल रही थी

मृतक आलोक ठाकुर पेट्री कॉन्वेंटर का काम करता था। मृतक सुरेश व नितिन शादीशुदा थे और उनके बच्चे भी हैं। आलोक के घर में शादी की तैयारी चल रही थी। लड़की भी पसंद कर ली गई थी। कुछ ही दिनों में शादी की तारीख फिक्स होने वाली थी।

आरोपियों को नहीं हुआ पछतावा

तीन लोगों की नृशंस हत्या करने वाले आरोपियों को इस घटना का जरा भी पछतावा नहीं हुआ और न ही उन्हें जेल जाने का डर था।

खूनी हंसी हंसते हुए आराम से टहल रहे थे हत्यारे

तीन की हत्या करने के बाद आरोपी मौके पर खूनी हंसी हंसते हुए आराम से टहल रहे थे। ट्रिपल हत्याकांड की जानकारी होते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस के आलाधिकारी एनबुलेंस के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंचे। पुलिस को आते देख सभी आरोपी रात के अंधेरे में गायब हो गए। पुलिस ने तत्काल युवकों के शवों को जिला अस्पताल रवाना कर जांच शुरू कर दी। पुलिस दिनांक आरोपियों की तलाश करती रही। शाम तक पुलिस ने इस हत्याकांड के तीन नाबालिग सहित 8 आरोपियों को पकड़ लिया। इनमें गोपी दीवान (20), मथुराडीह, कुलेश्वर नेताम (25), वाम कोर्रा, रणवीर साहू (20), वाम हर्ना, कमलेश धुव (19), आमापारा व गौतम दीवान (22), मथुराडीह निवासी की गंभीर धाराओं के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। वहीं, तीन नाबालिगों के खिलाफ विधिवत कार्रवाई की गई।



एक अन्य युवक ने छिपकर बचाई जान

तीन नाबालिग सहित 8 युवकों के गैंग में अधिकतर लोग बटवी चाकू व खंजर से लैस थे। इसके बाद मौत का तांडव शुरू हो गया। नशेड़ियों ने दो युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। दोनों की वहीं पर मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक दोस्तों को मरते देख अपनी जान बचाने के लिए सड़क पर भागने लगा। सिर पर खून सवार कातिलों ने उसका पीछा कर सड़क की दूसरी तरफ स्थित टायर दुकान में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। एक अन्य युवक ने वहीं छिपकर अपनी जान बचाई। तीन की हत्या करने के बाद कातिल अन्य युवकों की तलाश कर रहे थे।

बेटे के घर लौटने का रास्ता देख रही थी मां

नितिन तांडी रोज की तरह 11 अगस्त को सुबह टिफिन लेकर घर से निकला था। नितिन पेशे से वाहन चालक था जो रात रायपुर से धमतरी आता था और शाम तक वापस लौट जाता था, लेकिन 11 अगस्त को सुबह निकला नितिन वापस घर नहीं लौटा। मां नीरी तांडी रात तक बेटे के लौटने का रास्ता देखती रही, लेकिन बेटा तो नहीं आया। मंगलवार की सुबह उसकी मौत की खबर आ गई।

सीपत थाना क्षेत्र के खम्हरिया में सराफा व्यापारी से दिनदहाड़े हुई लाखों रुपए के सोने-चांदी की उठाईगीरी तीन माह बाद भी पुलिस के लिए पहेली बनी हुई है। वारदात के बाद जिलेभर में नाकाबंदी, तीन जिलों में छापेमारी, 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने और 50 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ के बावजूद पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। जांच की फाइनल अब थाने के कोने में धूल खाती नजर आ रही है।



बिलासपुर से कृष्णा तंबोली

तीन माह बाद भी खाली हाथ पुलिस

10 किलो चांदी, 100 ग्राम सोने की उठाईगीरी बनी मिस्ट्री, सीसीटीवी के अभाव में अटकी जांच

घटना 21 फरवरी 2026 की शाम करीब 7 बजे की है। बलौदा निवासी विनय सोनी खम्हरिया स्थित रमेश ज्वेलर्स दुकान से 10 किलो चांदी और 100 ग्राम सोने के जेवर थैले में भरकर दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। बताया जाता है कि शटर गिराने के दौरान उन्होंने जेवर से भरा थैला दरवाजे के पास रख दिया था, तभी बाइक सवार दो युवक पहुंचे। एक युवक तेजी से दुकान के पास आया, थैला उठाया और साथी के साथ बाइक पर बैठकर बिठकुला जंगल की ओर फरार हो गया। व्यापारी के शोर मचाने पर आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सायरन बजाते हुए मौके पर पहुंची और तत्काल कोरबा, जांजगीर व बिलासपुर जिले में नाकाबंदी कर दी गई। रातभर वाहनों की जांच चलती रही, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर रहे। घटना के बाद पुलिस की पहली उम्मीद सीसीटीवी फुटेज थी, लेकिन दुकान और आसपास किसी भी प्रतिष्ठान में कैमरा नहीं मिला। करीब 100 मीटर दूर लगे एक कैमरे की फुटेज जरूर मिली, लेकिन उसकी गुणवत्ता इतनी खराब थी कि न तो बाइक का नंबर साफ दिखा और न ही आरोपियों के चेहरे। यही जांच की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई।

तीन टीमें बनीं, 100 से ज्यादा कैमरे खंगाले

गमले की गंभीरता को देखते हुए सीपत पुलिस और एससीटीवी संयुक्त तीन टीमें बनाई गई। एक टीम हरदोबाजार की ओर, दूसरी अकलतरा स्ट प और तीसरी सीपत व आसपास के इलाकों में जांच में जुटी रही। करीब एक माह तक पुलिस ने तीन जिलों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन आरोपियों का कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

पुराने बदमाशों से पूछताछ फिर भी खाली हाथ

पुलिस ने सीपत, कोरबा और जांजगीर जिलों के पुराने चोरी और उठाईगीरी के मामलों में शामिल संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की। सूत्रों के मुताबिक एक माह में 50 से अधिक संदिग्धों से घंटों पूछताछ हुई, लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ सकी।

अब फाइनल पर जम रही धूल

लगातार प्रयासों के बावजूद जब कोई सुराग हाथ नहीं लगा तो जांच की रफ्तार धीरे-धीरे थम गई। अब हालात यह हैं कि उठाईगीरी की फाइनल थाने में धूल खाती पड़ी है और पुलिस दूसरी व्यस्तताओं में उलझ गई है। तीन माह बाद भी सराफा व्यापारी को व्याप नहीं मिल पाया है, जबकि इलाके के कारोबारियों में अब भी दहशत और नाराजगी बनी हुई।

नई दिल्ली। गुजरात के इंप्रोस्ट्रक्चर इतिहास में एक सुनहरा अध्याय गुड़ने जा रहा है। केंद्र सरकार ने सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के करोड़ों लोगों को सालों की परेशानी से आजादी दिलाने के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना पर अपनी मुहर लगा दी है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने खगमात की खाड़ी पर एक शानदार और अत्याधुनिक सी ब्रिज बनाने की दिया है।

यह कनेक्टिविटी जामनगर-भावनगर-मरुच हाई-स्पीड कोरिडोर का एक बड़ा हिस्सा बनेगी।

बिलासपुर, शनिवार 30 मई 2026

haribhoomi.com

30

किमी लंबा बनेगा सी-ब्रिज

7-8

घंटे लगते थे भावनगर से मरुच तक

45

मिनट में होगा अब पूरा सफर

240

किमी दूरी हो जाएगी कम

गुजरात के व्यापार, उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

अभी, भावनगर से मरुच या सूरत जाने के लिए बगोदरा या वडोदरा होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिसमें लगभग 7 से 8 घंटे लगते हैं। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे और पोषम गति शक्ति प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तावित लगभग 30 किलोमीटर लंबे सी-ब्रिज के बनने के बाद यह दूरी सिर्फ 45 मिनट से 1 घंटे में तय की जा सकेगी। इस हाईवे प्रोजेक्ट की वजह से भावनगर और सूरत के बीच की दूरी लगभग 240 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे गाड़ी चलाने वालों के करोड़ों रुपये का प्यूल बचेगा। यह प्रोजेक्ट न सिर्फ समय बचाएगा, बल्कि गुजरात के आर्थिक क्षेत्र में गेम-चेंजर साबित होगा।

सिर्फ 45 मिनट में पूरा होगा 6 घंटे का सफर

खंभात की खाड़ी में बनेगा भारत का सबसे लंबा पुल

भावनगर से मरुच की दूरी 240 किमी होगी कम

21.8 किमी ‘अटल सेतु’ का टूटेगा रिकॉर्ड



फाइनल फोटो

व्यापार, रोजगार व टूरिज्म को मिलेगा बूस्टर डोज

अलंग शिप बेकिंग यार्ड: भावनगर में अलंग यार्ड और आस-पास की इंडस्ट्रीज के लिए लॉजिस्टिक्स कॉस्ट में भारी कमी आएगी।

सेमीकंडक्टर हब कनेक्टिविटी: यह रूट धोलेरा सेमीकंडक्टर हब को सीधे साउथ गुजरात के हजिरा और अंकोलेश्वर जैसे इंडस्ट्रियल एरिया से जोड़ेगा। टूरिज्म डेवलपमेंट: सौराष्ट्र की धार्मिक जगहों (जैसे सोमनाथ और द्वारका) साउथ गुजरात के टूरिस्ट के बहुत करीब आ जाएंगी।

अभी क्या स्टेटस है?

सरकार ने इस प्रोजेक्ट की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तेजी से तैयार करने के लिए एजेंसियों से बिड मंगाने का प्रोसेस शुरू कर दिया है। डीपीआर के जरिए मरीन इको-सिस्टम, हाइड्रोलॉजिकल सर्वे, जमीन अधिग्रहण और एनवायरनमेंटल क्लियरेंस समेत सभी टेक्निकल पहलुओं की गहराई से स्टडी की जाएगी। रिपोर्ट फाइनल होने से तुरंत बाद ग्राउंड लेवल पर कंस्ट्रक्शन के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइलें; अमेरिका ने भीतरी ठिकानों पर किए हमले

एक हाथ में बंदूक, दूसरे में शांति समझौता

मिडिल ईस्ट में फिर भड़की युद्ध की चिंगारी

परिचय एशिया में हालात ऐसे हैं कि अमेरिका और ईरान के एक हाथ में बंदूक है और दूसरे में शांति समझौते का ड्राफ्ट। ईरान ने अमेरिकी जेट गिराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में चार जहाजों पर चेतावनी फायरिंग करने का दावा किया है वहीं अमेरिकी सेना ने ईरान पर नए हमले किए हैं। इस बार अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक पोर्ट सिटी बंदर अब्बास स्थित एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास खतरा पैदा कर रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन भी मार गिराए। पिछले तीन दिनों में यह दूसरी बार है, जब अमेरिका ने ईरान के भीतर हमले किए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई।

ईरान का दावा- अमेरिकी फाइटर जेट मार गिराया

ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के जाम प्रांत के बुशहर क्षेत्र में एक अमेरिकी सैन्य विमान को नष्ट कर दिया गया है। सरकारी टीवी ने इस संवेदनशील जानकारी की पुष्टि के लिए बुशहर प्रांत के गवर्नर मसूद तंगेस्तानी के आधिकारिक बयान का हवाला दिया है। हालांकि, ईरान के इस बड़े सैन्य दावे पर संयुक्त राज्य अमेरिका या पेटागन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि सामने नहीं आई है।

समुद्र में भारी गोलीबारी दागी गई मिसाइलें

इससे पहले ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सशस्त्र बलों ने देश के दक्षिणी हिस्सों से कई मिसाइलें लॉन्च की हैं, जिनके सटीक ठिकानों का अभी पता नहीं चला है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों को चेतावनी देने के लिए समुद्र में भारी गोलीबारी की गई है, जिससे तटीय इलाकों में दहशत का माहौल है।

अमेरिका ने बताया हमला क्यों किया

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, बंदर अब्बास स्थित ठिकाने पर हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहां से ईरान पाँचवां ड्रोन हमला लॉन्च करने वाला था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास खतरा पैदा कर रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन भी मार गिराए। ईरानी मीडिया ने शहर के पूर्वी हिस्से में धमाकों की खबर दी है।

शाह ने की सीमा सुरक्षा की समीक्षा...



भुज (गुजरात)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए गुजरात के कच्छ जिले के दूरे पर आए। उन्होंने सुबह सीमा चौकी जी-7 का उद्घाटन किया, औपी टावर 1170 के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और हराही नाला खाड़ी का दौरा किया, जहां उन्होंने एक पौधा लगाया।

शिव कैबिनेट में हो सकते हैं चार डिप्टी सीएम, अगले सप्ताह होगा शपथ ग्रहण

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी सूत्रों ने कहा है कि डीके अगले हफ्ते नए मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चार डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों की मानें तो सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। शिवकुमार कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत चार उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ही सिद्धारमैया शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की।

मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बैठक में सिद्धारमैया ने हार्दिकमान के सामने अपनी कई मांगें रखीं, जिनमें बेटे यतींद्र सिद्धारमैया के लिए नए मंत्रिमंडल में मांग भी शामिल बताई जा रही है। उधर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। कांग्रेस शिवकुमार ने को कहा कि राज्य में नई कैबिनेट बनाने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। सब कुछ हार्दिकमान के कहने के मुताबिक हो रहा है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड (सं./सं.) संभाग-बलरामपुर

क्रमांक/का.सं.ब./क्या/सुचना/927 बलरामपुर, दिनांक 28.05.2026

--: विद्युत बंद की सूचना --:

बलरामपुर जिले के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.05.2026 को 33/11 के डी. उपकेन्द्र बरियों में आवश्यक सुधार कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिस हेतु निम्नलिखित सूची अनुसार विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

दिनांक	उपकेन्द्र / फीडर का नाम	समय	प्रभावित क्षेत्र
30.05.2026	33/11 के डी उपकेन्द्र बरियों	सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक	33/11 के डी. उपकेन्द्र बरियों से निकलने वाली समस्त फीडर की विद्युत प्रवाह बंद रहेगी।

टिप :- आवश्यकानुसार समय में बदलाव किया जा सकता है।
"विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें"
सं. भवदीय कार्यपालन अभिवृत्त (सं./सं.) संभाग छ.स्ट.पा.डि.क.सि., बलरामपुर

कार्यालय, नगर पंचायत सरिया, जिला-सारंगढ़-बिलासगढ़ (छ.ग.)

E-mail- cmonpasariya@gmail.com

क्रमांक 392/ लो.नि.वि./न.प./ 2026-27 सरिया, दिनांक 29/05/2026

// वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (रु. लाख में)	निविदा ऑनलाइन खोलने की अंतिम तिथि
1.	191883	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of SARIYA, Chhattisgarh 2nd Call	31.79	15-06-2026 17:30 PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल <http://eproc.cgstate.gov.in> अथवा विभागीय वेबसाईट <https://www.uad.cg.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत सरिया, जिला-सारंगढ़-बिलासगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पंचायत पुसौर जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक / 285 / लो.क.शा./न.प./2026-27 पुसौर दिनांक 29/05/2026

// ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित Form A की जाती है :-

1. Date of issue of Tender :- 29.05.2026 Time 5.30 PM

2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid :- 22.06.2026 Time 5.30 PM

3. Last Date for Submission of physical bid :- 24.06.2026 Time 5.30 PM

4. Bid Open Date :- 25.06.2026 Time 11.30 AM

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (लाख में)	सामय सीमा (वर्ष) ऋतु को छड़कर)	सभी आवश्यक दस्तावेज का फिजिकल लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि
1.	191865	तहसील कार्यालय से तीन तराई तालाब तक पाईप लाईन विस्तार कार्य। (अधो. मद)	133.02	1.00	0.03	06 माह	समय 05.30PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल <https://eproc.cgstate.gov.in> अथवा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निविदा नियम शर्तों का अवलोकन ध्यान पूर्वक भली भांति किया जावे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत पुसौर

कार्यालय नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा, जिला-कोरिया (छ.ग.)

क्र./403/लो.नि.वि./टेंडर/न.पा.प./

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Main portal : <https://eproc.cgstate.gov.in/> Sub portal : <https://uad.cg.gov.in/>

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की गई है, जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट <https://eproc.cgstate.gov.in/> पर देखा जा सकता है।

S. No.	Description of work	System Tender No.	Probable Amount of Contract (PAC)	Tender Processing Fees	Bid Due Date
04	Nos Building/ Shed Construction Work at Ward 05,09,10 and 11 (Group 02) (2nd Call)	191829	30.94 Lakhs	Rs.1500.00 DD in favor of CMO	15-06-2026, Time 17:30
2	Construction of Storm Water Drain from SECL water treatment Plant to Sonu house at Ward No.09 (2nd Call)	191830	29.37 Lakhs	NPP Shivpur Churchar	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित, दस्तावेज एवं अन्य जानकारी <https://eproc.cgstate.gov.in/> पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा जिला-कोरिया (छ.ग.)

कार्यालय कार्यालय अभियंता (सं/स.) संभाग छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित, बेकुण्टपुर

बिजली बंद सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि मानसून पूर्व आवश्यक लाईन एवं उपकेन्द्रों के आवश्यक सुधार कार्य / मरम्मत कार्य संपादित किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में दशांशी भयी तिथि एवं समय पर विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी :-

क्र.	विद्युत आपूर्ति बंद रहने की तिथि	समय	फीडर/उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	02/06/2026 मंगलवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. शहर फीडर - दो 33/11 के वी. उपकेन्द्र बेकुण्टपुर	स्कूलपारा, भट्टीपारा पानी टंकी, खुदहनपारा इंटरकॉल, BSNL कचहरीपारा, सिविल लाईन, SECL रामपुर कॉलोनी, भाडी, प्रेमबाग, पुलिस लाईन, 100 बड़े हाथीपटल, गडनारा, कोविड हास्पिटल केनपुर एवं संबंधित क्षेत्र
2	02/06/2026 मंगलवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. करजी फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र पटना	करजी, सावारावा, गिरवापुर, टेंगनी, पिपरा, अंजोखुई एवं संबंधित क्षेत्र
3	02/06/2026 मंगलवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी।0 कटकोनी मेझा फिडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र सोनहत	मेझा, कजडी, लौलकी, भावतपुर इत्यादि।
4	02/06/2026 मंगलवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी।0 बड़े साली फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र सकरिया	बवरा, बड़े साली, छोटें साली, चिरमी, लोटाबहा, गेजी, टेंगबा, बैमा, सागरपुर, गंगापुर, लोतागा एवं संबंधित क्षेत्र
5	03/06/2026 बुधवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. शहर फीडर - एक 33/11 के वी. उपकेन्द्र बेकुण्टपुर	परियोजना कॉलोनी, बाईसागरपारा, डबरीपारा, महलपारा, बाजारपारा, घड़ी चौक, मेन रोड नगर पालिका ऑफिस, एम . एल. ए.नगर, जुनापारा, केनापारा, नवोदय विद्यालय एवं संबंधित क्षेत्र
6	03/06/2026 बुधवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. मुरमा फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र बरदिया	चंपाझार, मुरमा, कोटकताल एवं संबंधित क्षेत्र
7	03/06/2026 बुधवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी।0 कटकोनी फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र कटगोडी	ग्राम कटगोडी, काचरडाइ घुघरा, नौगाई, इत्यादि।
8	03/06/2026 बुधवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. चिरमी फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र चिरमी	चिरमी, पटमा, गणेशपुर, पडिता, सालवा एवं संबंधित क्षेत्र
9	04/06/2026 गुरुवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. कलेक्ट्रेट फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र बेकुण्टपुर	हरांपारा, धौरीटीकरा, सागरपुर, झुमका डेम . झुमका कॉलोनी, ओडगी, संजय नगर, ओडगी नाका, झमरपारा, तलवापारा, कलेक्ट्रेट ऑफिस, जिला न्यायालय, छिडाइ, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एवं संबंधित क्षेत्र
10	04/06/2026 गुरुवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. कटकोनी फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र बरदिया	कटकोना, अंगा, पट्टा, पिरभडाइ, मुरमा महुआपारा एवं संबंधित क्षेत्र
11	04/06/2026 गुरुवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. लटमा फीडर 33/11 के वी।0 उपकेन्द्र कटगोडी	ग्राम नौगाई, मधौरा, बसवाही, पहाडगारा सुन्दरपुर, लटमा, मझारटोला, इत्यादि।
12	04/06/2026 गुरुवार	सुबह 9:00 बजे से 4:00PM बजे तक	11 के वी. उखेन फीडर 33/11 के वी. उपकेन्द्र चिरमी	खंचीरा, इंंदरपुर, कोचियाडाइ एवं संबंधित क्षेत्र

नोट :- आवश्यकानुसार बंद की अवधि घटाई जा बढ़ाई जा सकती है इस दौरान विद्युत उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए वितरण कंपनी को खेद है।

विद्युत देयक का भुगतान समय पर करें। विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है।

कार्यालयन अभियंता (सं/सं.) संभाग छ.रा.वि.वित. कं. मर्या. बेकुण्टपुर

शादी के 20 साल के बाद बने जुड़वाँ बच्चों के माता-पिता

बिलासपुर। लंबे समय के बाद अगर कोई खुशी मिल जाए तो उस खुशी को पाने वाला निशब्द हो जाता है। कुछ ऐसा ही एक दंपति के जीवन में हुआ है, जिनको शादी के 20 साल के लंबे समय के बाद माता -पिता बनने का सुख मिला। माखीजा टेस्ट ट्यूब



को परेशानी हो रही है। डॉ. बेबी सेंटर, अग्रसेन चौक, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर की डॉ. प्रतिभा माखीजा के अनुसार दंपति ने सेंटर से उचित परामर्श, सही जांच व इलाज करा कर मंडला

(मप्रा) निवासी एक दंपति का माता-पिता बनने का सपना साकार हुआ। दंपति ने बताया कि संतान प्राप्ति के लिए उन्होंने कई शहर के बड़े अस्पतालों के चक्कर भी काट चुके थे। एक बार इंदौर में भी इलाज करने गये थे। कई तरह की दवाओं से भी इलाज करा चुके थे, फिर भी सफलता नहीं मिली। निराश होकर उन्होंने दो साल तक किसी भी डॉ. से कोई इलाज नहीं कराया। फिर उन्होंने 2025 में बिलासपुर के माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में अपना इलाज चालू

कराया। यहां पर डॉक्टर ने पूरी जांच करने के बाद उन्हें बताया कि महिला के अंडाशय में चॉकलेट सिस्ट है जिससे उनके अंडाशय में सही मात्रा में व सही गुणवत्ता में अंडों का उत्पादन नहीं हो पा रहा है जिससे उन्हें मां बनने में परेशानी हो रही है।

प्रतिभा ने उन्हें लेप्रोस्कोपी द्वारा अंडाशय के सिस्ट को हटाने की सलाह दी। पारिवारिक सहमति लेकर लेप्रोस्कोपी द्वारा चॉकलेट सिस्ट का इलाज कराया। लेप्रोस्कोपी होने के 3

महिने बाद उन्होंने डॉ. माखीजा से आईवीएफ कराया। पहले ही प्रयास में ये सफल रहा। आज उन्हें एक साथ 2 संतानों के माता-पिता बनने का सुख मिला। जिसमें 1 पुत्र व एक पुत्री है। 20 साल बाद मिली इस बड़ी खुशी को पाकर दंपति बहुत खुश हैं। उन्होंने डॉ. प्रतिभा माखीजा व उनके स्टाफ का सहदय धन्यवाद किया। सही जांच-इलाज व सही आईवीएफ सेंटर का चुनाव करके सफलता प्राप्त की जा सकती है। अधिक जानकारी के 8085758585 संपर्क करें।

कार्यालय नगर पालिक निगम (जोन-04), रायपुर (छ.ग.)
मोतीबाग पानी टंकी सुभाष स्टेडियम के सामने
Email ID-rmczone4@gmail.com

रेनवॉटर हॉवैरिस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति

क्रमांक 17/नपावि / जोन क्र. 04/लो.क.वि/ 2026 रायपुर दिनांक 27/05/2026

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्र. 45, 46 में स्थित निजी भवनो में रेन वॉटर हॉवैरिस्टिंग ड्राईंग डिजाइन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियों, बेरोजगार इंजीनियर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलॉजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुवल पद्धति से दिनांक 12/06/26 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। आवेदन के साथ राशि रु. 5000.00 एक.डी.आर जोन आयुक्त जोन क्रमांक 04 नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रस्तुत करना होगा। रेनवॉटर हॉवैरिस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 04 मोतीबाग पानी टंकी के नीचे कार्यालय में कार्यालयीन अवधि व दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त आवेदन जोन कार्यालय में ही जमा किये जायेंगे स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियों को धरोहर राशि में छूट होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देंगे।

कार्यालालन अभियंता **जोन-04, नगर पालिक निगम रायपुर**

कार्यालय नगर पालिक निगम (जोन-04), रायपुर (छ.ग.)
मोतीबाग पानी टंकी सुभाष स्टेडियम के सामने
Email ID-rmczone4@gmail.com

रेनवॉटर हॉवैरिस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति

क्रमांक 18/नपावि / जोन क्र. 04/लो.क.वि/ 2026 रायपुर दिनांक 27/05/2026

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्र. 57 में स्थित निजी भवनो में रेन वॉटर हॉवैरिस्टिंग ड्राईंग डिजाइन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठन (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियों, बेरोजगार इंजीनियर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलॉजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुवल पद्धति से दिनांक 12-06-26 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। आवेदन के साथ राशि रु. 5000.00 एक.डी.आर जोन आयुक्त जोन क्रमांक 04 नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रस्तुत करना होगा। रेनवॉटर हॉवैरिस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 04 मोतीबाग पानी टंकी के नीचे कार्यालय में कार्यालयीन अवधि व दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त आवेदन जोन कार्यालय में ही जमा किये जायेंगे स्व-सहायता समूह / असंगठित कर्मचारी पंजीकृत समितियों को धरोहर राशि में छूट होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देंगे।

कार्यालालन अभियंता **जोन-04, नगर पालिक निगम रायपुर**

राशिफल

रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सहेत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं पेशान कर सकती हैं।

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्रभाव हो सकते हैं।

कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

रिजर्व बैंक ने अपनी जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: आरबीआई

मुंबई। ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति शृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते तथा सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर भारत की मजबूत वृद्धि गति के लिए अनुकूल है। इसमें कहा गया है कि 2026 में भू-राजनीतिक जोखिम वैश्विक वृद्धि के लिए प्रमुख बाधा बनकर उभरा है। फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने का असर वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों में लंबा खिंचने वाला रिपोर्ट में कहा गया है, ‘‘ मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकता है।’’

व्यापार समझौते भारत की वृद्धि को गति देगा
इसमें कहा गया कि प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भारत की वृद्धि को और गति देगा। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत धरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही।

भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है और मजबूत वृहद आर्थिक आधार चालू वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि को सहारा देगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही।

ऊंची ऊर्जा कीमतें व आपूर्ति शृंखला बाधाओं की चुनौती कायम

बावजूद कंपनियों और बैंकिंग क्षेत्र के बही खाते मजबूत

सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर ताकि मजबूत वृद्धि बने रहे

वैश्विक तनाव का कच्चे माल व उर्वरकों की कीमतों पर दबाव : रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं।

कृषि क्षेत्र मानसून की प्रगति पर निर्भर

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026-27 में कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति एवं वितरण पर निर्भर करेगा। इसमें कहा गया, ‘‘ अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम उत्पन्न करती है। हालांकि मानसून के उत्तरार्ध में वर्षा बढ़ने वाली सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है।’’

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन जून को खुलेगा

नई दिल्ली। फरीदाबाद स्थित अलौह धातु पुनर्चक्रण कंपनी सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन जून को खुलेगा। कंपनी ने अपने आईपीओ के आकार को घटाय़ा है। पेश करने जा रही है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, निर्गम का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4.29 करोड़ इक्विटी शेयरों से घटा दिया गया है।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryawas Bhawan, North Block, Sector-19, Nava Raipur- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navarairpuratalnagar.com, <http://eproc.cgstate.gov.in>

E-Procurement Tender Notice
The Chief Executive Officer, NRANVP invites Tender for following works:
NIT No: 18/LS-PB& ICCM(E)/NRANVP/2026-27, Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur Dated: 27/05/2026.
Name of Work: ‘Maintenance of Landscaping and Irrigation System at Paryawas Bhawan & Integrated Command and Control Center at Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (C.G.)..(1st Call)
Estimated cost : **INR 45.47 Lakhs, EMD: INR 91,000/-**
Period of Completion: 12 months, which shall be extended for further 2 years (Maximum srys.) with 5% increment in agreed contract amount of previous year by mutual consent & approval of CEO, NRANVP
Last Time & Date of Online Submission: 15:00 hrs on 17.06.2026
The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) <http://eproc.cgstate.gov.in> directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.
Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Manager (Estate/Project) NRANVP

S. 47963

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
16/SE E/M/2025 (II Call) System Tender No.191788 Registered contractor class in “C” & above For Form B (ITEM Rate Basis)	Schedule Providing Line Shifting of 33 & 11 KV Line DP, Transformer DP,33 KV,11KV & LT Line at Various Budget Road at Dhamtari & Kurud Block with Additional E/F Work Under PWD E/M Sub Division-Dhamtari, Distt.-Dhamtari (C.G.)	Rs 152.00 Lacs

Date of bid submission will be 10-06-2026
The tender documents can be downloaded from the web-portal <http://eproc.cgstate.gov.in>. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

G-262701068/3

कार्यालय नगर पंचायत बालोद

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजनाअंतर्गत रिक्त सिविदा पद विकासखंड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक एवं लेखा सह एम आई एस सहायक पद हेतु पात्र/अपात्र अभ्यर्थियों की प्रारंभिक सूची एवं दावा आपत्ति प्रस्तुत करने का विस्तृत विवरण जिला बालोद के वेबसाइट www.balod.org.in पर किया गया है। दिनांक 27.05.2026 से 05.06.2026 तक कार्यालयीन दिवस (सोमवार से शुक्रवार) एवं समय (10.00 से 5.30) में दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है।

सहायक परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत बालोद (छ.ग.)

संवाद- 47966

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई जिला - बीजापुर (छ.ग.)
जोन नं. 7853298423, ई-मेल nrhm2bjapur@gmail.com, dtcbijapur1@gmail.com

क्रमांक /204274/निहम / सिविदा भर्ती/2026 बीजापुर, दिनांक 27/05/2026

-// विज्ञप्ति //-
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला बीजापुर अंतर्गत रिक्त 33 सिविदा पदों हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से विभागीय वेबसाईट में दिनांक 28.05.2026 से दिनांक 18.06.2026 तक कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक लिंक <https://govthealth.cg.gov.in/recbijapurcont2026> के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। स्वयं उपस्थित होकर, साधारण डाक, स्पीड पोस्ट, रजिस्टर डाक या अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जावेगा।। सिविदा भर्ती के संबंध में विस्तृत विवरण एवं जानकारी जिले की वेबसाईट www.bijapur.gov.in एवं जिले के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला - बीजापुर (छ.ग.)

सं. 47968

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) (खेल एवं युवा कल्याण)

क्रमांक/188/खेल युवा/स्थापना/2026-27 दन्तेवाड़ा, दिनांक 29/05/2026

वॉक-इन-इन्टरव्यू की सूचना
खेल एवं युवा कल्याण विभाग दन्तेवाड़ा अन्तर्गत निम्नलिखित रिक्त पदों की पूर्ति अर्हताधारी उम्मीदवारों से वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से किया जाना है। इस हेतु दिनांक 18.06.2026 को समय 11.00 बजे से कार्यालय कलेक्टर (शंकनी सभाकक्ष) जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) में वॉक-इन-इन्टरव्यू आयोजित किया गया है। रिक्त पद का वर्गीवार विस्तृत विवरण निम्नानुसार है-

स.क्र.	पद का नाम	कुल भर्ती हेतु रिक्त पद	वेतनमान
1	स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर	01	39875/-
2	कबड्डी (प्रशिक्षक)	01	35165/-
3	क्रिकेट (प्रशिक्षक)	01	
4	कियाटिंग (प्रशिक्षक)	01	
5	फिजियो थेरपिस्ट	01	
6	अधीक्षिका (बालिका)	01	20675/-
7	भूत्य (कलेक्टर दर)	01	कलेक्टर दर
8	रसोईया (कलेक्टर दर)	04	
योग:-		11	-

टीप:-उपरोक्त भर्ती के संबंधित विस्तृत जानकारी जानकारी जिले के वेब साईट www.dantewada.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग दन्तेवाड़ा

जी-262701081/2

अहम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अमिनेता विकी कौशल को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया

रायपुर। देश की अग्रणी कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी अहम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता विकी कौशल को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी का मानना है कि विककी कौशल की लोकप्रियता, विश्वसनीय छवि और देशव्यापी पहचान से अहम की ब्रांड उपस्थिति को पूरे भारत में और अधिक मजबूती मिलेगी। कंपनी द्वारा मुंबई के महबूब स्टूडियो में ब्रांड शूट आयोजित किया जाएगा, जहां विककी कौशल कंपनी के विभिन्न प्रचार अभियानों का चेहरा बनेंगे। इस अवसर पर कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अंकित जैन ने कहा, ‘‘ हम

विककी कौशल का अहम परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। उनकी विश्वसनीयता, जनप्रिय छवि और पैन-इंडिया अपील हमारी उस सोच से मेल खाती है, हम हर भारतीय परिवार तक भरोसेमंद उत्पाद आधुनिक फीचर्स वाले उत्पाद पहुंचाना चाहते हैं। यह साझेदारी हमारे ब्रांड को देशभर के ग्राहकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।’’ और यह सहयोग कंपनी की भरोसेमंद उत्पाद एवं ग्राहक-केंद्रित सेवा की पहचान को और मजबूत करेगा। कंपनी के अनुसार, यह नियुक्ति हाल ही में हुए प्रेफरेंशियल फंडेजिंग राउंड के बाद की गई है, जिसमें मार्केटिंग एवं ब्रांड प्रमोशन के लिए विशेष निवेश निर्धारित किया गया है।

कार्यालय नगर पंचायत पाली जिला - कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक /186/लो.नि.श.न.पं./ 2026, पाली दिनांक 29.05.2026

जैम - पोर्टल निविदा आमंत्रण सूचना
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जैम-पोर्टल निविदा आमंत्रण सूचना आमंत्रित किया जाता है:-

S. N.	Bid No & Date	Description	Last Date Online Submission	Tender Opening Date
1	GEM/2026/B/7596390	Manpower Outsourcing Services Minimum wage Skilled, High School, Others Mangpower Outsourcing Services Minimum wage- Unskilled Not Required. Others, Mangpower Outsourcing Services Minimum wage Highly skilled, High School, Others,	19.06.2026 Time- 16.00	19.06.2026 Time- 16.30

उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु जैम पोर्टल <https://gem.gov.in> से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत पाली, जि. कोरबा (छ.ग.)

दिनांक 29.05.2026

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय (नवोदय विद्यालय समिति की एक इकाई) शिक्षा भंडालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार

पत्र सं. 1.21/जनवि/बिलास/2026-27/130 दिनांक 29.05.2026

निविदा सूचना
पीएम श्री स्कूल जनवि मल्हार, बिलासपुर (छ.ग.) में निविदा सत्र 2026-27 के लिए निविदा प्रक्रिया में अप्रतिहर्द कार्यों से तिथि में परित्वरन किया जाता है। निविदा आवेदन फॉर्म लेने की अंतिम तिथि :-01 जून 2026 शाम 3 बजे तक निविदा आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि :-01 जून 2026 शाम 4 बजे तक निविदा खुलने की तिथि :- 03 जून 2026 प्रातः 11 बजे **निविदा खुलने का स्थान :-** स्थान:- अपर कलेक्टर कार्यालय कलेक्ट्रेट, बिलासपुर (कक्ष कं. 49) दिनांक एवं समय :- 03.06.2026 सुबह 11:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए विद्यालय की वेबसाइट www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/BILASPUR_MP/en/home. अथवा विद्यालय कार्यालय से संपर्क करें।

प्राचार्य पीएम श्री स्कूल जनवि, मल्हार बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक 29.05.2026

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, पोंड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/1232/अ.वि.अ./ भू-अर्जन / 2026 पोंड़ी उपरोड़ा, दिनांक 19/05/2026 (भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार) अधिनियम 2013 की धारा-21 के तहत

(राजस्व प्रकरण क्रमांक 202208050400024/अ-82/2022-23)
भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 21 के अधीन छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना से उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को छ.ग. राज्य में हसदेव बागों परियोजना अंतर्गत पूरक भू- अर्जन के निष्पादन के लिए अर्जित करने के आशय की घोषणा की थी और उक्त अधिनियम की धारा 19 के अधीन उक्त अधिसूचना का सार दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था।
अतः अब राज्य शासन सक्षम अधिकारी से उक्त रिपोर्ट प्राप्त होने पर और अधिनियम 2013 की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यह घोषणा करती है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जायेगी।
और यह कि राज्य शासन उक्त अधिनियम की धारा 21 के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इसके उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी वित्त्वर्गों से मुक्त होकर राज्य शासन में आत्यंतिक रूप से निहित हो जायेगी।
और यह कि ये अधिसूचना छ.ग. राज्य शासन के राजपत्र में दिनांक 27 मार्च 2026 को प्रकाशित की जा चुकी है।
और यह कि राज्य शासन द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 21 के अनुसरण में उपर्युक्त वर्णित भूमि में हितबद्ध व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे व्यक्तिगत रूप से या किसी अभिकर्ता या विधि व्यवसायी के माध्यम से सक्षम अधिकारी अर्थात अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू- अर्जन अधिकारी पोंड़ी उपरोड़ा के समुख दिनांक 22/06/2022 को उपस्थित होकर अपने हित की प्रकृति का कथन साक्ष्यों सहित कर सकता है।
ग्राम जामकछार प.ह.न. 19 रा.नि.म. कोरबी तहसील पोंड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला - बीजापुर (छ.ग.)

सं. 47968

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई जिला - बीजापुर (छ.ग.)
जोन नं. 7853298423, ई-मेल nrhm2bjapur@gmail.com, dtcbijapur1@gmail.com

क्रमांक /204274/निहम / सिविदा भर्ती/2026 बीजापुर, दिनांक 27/05/2026

-// विज्ञप्ति //-
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला बीजापुर अंतर्गत रिक्त 33 सिविदा पदों हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से विभागीय वेबसाईट में दिनांक 28.05.2026 से दिनांक 18.06.2026 तक कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक लिंक <https://govthealth.cg.gov.in/recbijapurcont2026> के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। स्वयं उपस्थित होकर, साधारण डाक, स्पीड पोस्ट, रजिस्टर डाक या अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जावेगा।। सिविदा भर्ती के संबंध में विस्तृत विवरण एवं जानकारी जिले की वेबसाईट www.bijapur.gov.in एवं जिले के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला - बीजापुर (छ.ग.)

सं. 47968

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) (खेल एवं युवा कल्याण)

क्रमांक/188/खेल युवा/स्थापना/2026-27 दन्तेवाड़ा, दिनांक 29/05/2026

वॉक-इन-इन्टरव्यू की सूचना
खेल एवं युवा कल्याण विभाग दन्तेवाड़ा अन्तर्गत निम्नलिखित रिक्त पदों की पूर्ति अर्हताधारी उम्मीदवारों से वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से किया जाना है। इस हेतु दिनांक 18.06.2026 को समय 11.00 बजे से कार्यालय कलेक्टर (शंकनी सभाकक्ष) जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.) में वॉक-इन-इन्टरव्यू आयोजित किया गया है। रिक्त पद का वर्गीवार विस्तृत विवरण निम्नानुसार है-

स.क्र.	पद का नाम	कुल भर्ती हेतु रिक्त पद	वेतनमान
1	स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर	01	39875/-
2	कबड्डी (प्रशिक्षक)	01	35165/-
3	क्रिकेट (प्रशिक्षक)	01	
4	कियाटिंग (प्रशिक्षक)	01	
5	फिजियो थेरपिस्ट	01	
6	अधीक्षिका (बालिका)	01	20675/-
7	भूत्य (कलेक्टर दर)	01	कलेक्टर दर
8	रसोईया (कलेक्टर दर)	04	
योग:-		11	-

टीप:-उपरोक्त भर्ती के संबंधित विस्तृत जानकारी जानकारी जिले के वेब साईट www.dantewada.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग दन्तेवाड़ा

जी-262701081/2

शब्द पहेली - 6241

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
2.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
3.गीत (अंग्रेजी-2)
4.गलीचा, कारपेट-3
5.किनारा,छोर-2
6.झगड़ा,कहासुनी-4
7.समय,वक्त-2
8.बेबस-3
9.राष्ट्र,स्वदेश-2
10.पुत्र,लड़का-3
11.प्राप्त करना-2
12.

**रक्त सेवा सम्मान
समारोह 10 जून को**

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में सप्तशक्ति सेवा समिति द्वारा स्थित लाइन स्थित वृन्द सेवा समान समारोह आयोजन किया जा रहा है। संस्था की अध्यक्ष अंजना पिथालिया और सचिव रंभा साहू ने बताया कि इस कार्यक्रम में रायपुर शहर की रक्तदान करने वाली युवतियों व महिलाओं को रक्त सेवा समान से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा रक्तसेवा के कार्य में निष्ठापूर्ण भाव से काम करने वाली संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 4 बजे प्रारंभ होगा। इस अवसर पर सिटी ब्लड बैंक के संचालक डॉ. मनोज लांजेवार द्वारा रक्तदान से संबंधित आवश्यक व महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी।

गौण खनिज राजस्व बंटवारे में बड़ा बदलाव, पंचायतों को मिलने वाली राशि के वितरण का नया फार्मूला लागू

छत्तीसगढ़ सरकार ने गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी राजस्व के पंचायतों में वितरण और उसके उपयोग को लेकर नई व्यवस्था लागू कर दी है। खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब गौण खनिजों से प्राप्त राजस्व का एक हिस्सा सीधे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा, जबकि शेष राशि का बँचवारा प्राप्त पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत के बीच निर्धारित स्लैब के आधार पर किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

सरकार ने 10 अक्टूबर 2012 को जारी पुराने आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की है। आदेश के मुताबिक छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के तहत पूर्ववर्त वित्तीय वर्ष में गौण खनिजों से प्राप्त कुल राजस्व का 33 प्रतिशत हिस्सा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को दिया जाएगा। इससे बाद शेष 67 प्रतिशत राशि का वितरण संबंधित पंचायत संस्थाओं के बीच किया जाएगा।

जिला पंचायतों को मिलने वाली राशि प्रभावित क्षेत्र में ही खर्च होगी

स्कूलों, अस्पतालों और श्मशान घाटों पर खर्च की अनुमति

सरकार ने पंचायतों को मिलने वाली राशि के उपयोग के लिए कुछ नए कार्य भी शामिल किए हैं। अब इस राशि से स्कूलों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में ओवरहूड टैंक सहित रनिंग वाटर की सुविधा विकसित की जा सकेगी। सामुदायिक शौचालयों में पानी की व्यवस्था, मुक्तिदायक निर्माण एवं संधारण, वहां तक पहुंच करंगा का निर्माण तथा वाचनालयों की स्थापना जैसे कार्य भी इस मद से किए जा सकेंगे।

खदान प्रभावित इलाकों में ही खर्च होगी जिला पंचायत की राशि

नई नीति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिला पंचायत को मिलने वाली राशि का उपयोग केवल उन्हीं क्षेत्रों के विकास कार्य के लिए जाएगा जहां जनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसके लिए क्षेत्र जनन स्थल से 15 किलोमीटर की परिधि के भीतर होना चाहिए और वहां जनन के प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहे हों। इससे अक्षय प्रभावित गांवों और बस्तियों को सीधे लाभ मिलने का उम्मीद है।



2022-23 से लागू मानी

जाणगी नई व्यवस्था

आदेश में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 और उसके पूर्व की अवधि में विवरित राशि का उपयोग पुराने आदेश के अनुसार ही किया जाएगा। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 और उसके बाद प्राप्त होने वाली गण्य खनिज राज्यस्थ राशि का विवरण और व्यय नई व्यवस्था के तहत किया जाएगा। पुराने आदेश के अन्य प्राधान्य यथावत बने रहेंगे। खनिज खपत विभाग का यह निर्णय ऐसे समान आया है जब खनिज प्रमाति बनेत्र में आधारभूत सुविधाओं और स्थानीय विकास कार्य को तेवरर लमातार मांग उत्तरी रही है। नई व्यवस्था के जरिए सरकार ने राज्यस्थ के उपयोग को अधिक लिक्तार बलाना हए खनिज प्रमाति बनेत्र त विकास का लाम ध्ववत को कोशिश की है।

अब इस हिसाब से होगा

राशि का बंटवारा

नई व्यवस्था के तहत जिन क्षेत्रों में गण खनिज से प्राप्त राशि 750 लाख रुपये तक होगी, वहां पूर्ण राशि ग्राम पंचायत को मिलेगी। 750 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 80 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 10-10 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। इसी प्रकार 10 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 70 प्रतिशत और जनपद व जिला पंचायत को 15-15 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। 25 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक की राशि पर ग्राम पंचायत को हिस्सा 60 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को हिस्सा 20-20 प्रतिशत रहेगा। वहीं 50 लाख रुपये से अधिक की राशि होने पर ग्राम पंचायत को 50 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 25-25 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।

52 चिकित्सा अधिकारियों सहित 97 पर है नियम उल्लंघन का आरोप

इयूटी कर रहे फिर भी अल्पस्थित बताकर थमा दिया

बांड राशि वसूली का नोटिस, डाक्टरों में हड़कप

एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद अनुबंध सेवा के तहत ड्यूटी कर रहे कई डाक्टरों को बांड राशि वसूली का नोटिस जारी कर दिया गया है। वहीं स्वास्थ्य संचालनालय से एनओसी लेने के बाद पीजी की पढ़ाई करने वाले से भी रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा जारी 52 विकित्सा अधिकारियों सहित 97 पर बांड नियम का पालन नहीं करने का आरोप है।



आशंका विभागीय लापरवाही

सूत्रों का कहना है कि स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा यह प्रक्रिया संबंधित जिलों से मिली जानकारी के आधार पर पूरी की जाती है। आशंका है कि संबंधित जिला यात्रा सीमास्तरओ कार्यालय से यह जानकारी अपडेट नहीं की गई है। अथवा जिला स्तर पर भेजी गई सूचना को स्वास्थ्य संचालनालय के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया और सूची जारी कर दी गई है। सूची सार्वजनिक करने या नोटिस भेजने से पहले डॉक्टरों के मौजूदा स्टेटस को मौलिक सत्यापन नहीं किया गया।

करीब पंद्रह दिन पहले अनुबंध सेवा में उपस्थित नहीं होने वाले डाक्टरों से राशि वसूली का आदेश जारी किया गया था। इस आधार पर संबंधित चिकित्सा अधिकारियों से वसूली के लिए संबंधित जिले को निर्देशित किया गया। अजीबो-गरीब मामला यह है, लापरवाही के कारण उन डॉक्टरों को भी बांड राशि वसूली का नोटिस थमा दिया गया है। जो वर्तमान में बांड ड्यूटी कर रहे हैं। विभाग द्वारा जारी की गई रिकवरी

सूची में ऐसे कई डॉक्टरों के नाम शामिल हैं। एक छात्र ने बताया कि वह नवंबर से अपनी ड्यूटी कर रहा है, मगर विभाग ने उसे अनुपस्थित करार दिया है। वहीं एक छात्र ने बाकायदा पीजी के लिए विभागीय अनुमति प्राप्त की है, मगर विभाग की नजरो में वह भी बांड नियम का उल्लंघन कर रहा है। इस तरह के क़रीब आधा दर्जन नाम शामिल हैं जो विभागीय लापरवाही का शिकार हुए हैं।

लापरवाही का परिणाम

रिक्शवा विमाना द्वारा कुरु अणुविस्फोट
 विस्फोटकों के विरुद्ध ब्रह्मर्षि राजेश
 राशि जात करने संबंधी आदेश जारी
 किए गए हैं। यह अरुंदत दुर्गावतिया
 है कि जिन विधायकों द्वारा वर्तमान
 में भी अपनी बंधन सेवा का निर्वहन
 किया जा रहा है, उनके नाम भी
 नोटिस में सम्मिलित किए दिए गए
 हैं। संघर्षित अधिकांशियों एवं
 कर्मचारियों द्वारा तथ्यात्मक सत्यापन
 किए बिना जारी किए गए नोटिसों
 के कारण चिकित्सकों को
 अनाथस्थल मानवियता तालाव एवं
 प्रभावित परेशानियों का सामना
 करना पड़ रहा है। हम मानते करते
 हैं कि जारी किए गए सौ नोटिसों
 की तत्काल सुनौती की जाए,
 तथ्यात्मक सुनौती को सुनाया जाए।

- डा. रशम सिंह, प्रदेश अध्यक्ष
जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन
छत्तीसगढ़

नियमानुसार कार्रवाई

बांड राशि वसूली के लिए अनुपस्थित डाक्टरों की सूची जिला सीएमएचओ कार्यालय से मिली जानकारी के आधार पर जारी की गई है। कई लोग ज्वाइनिंग के बाद ड्यूटी नहीं करते। किसी तरह की शिकायत है, तो उसका समाधान किया जाएगा।

- डा. अभिजीत बेनर्जी,
उपसंचालक, स्वास्थ्य संचालनालय

पुनर्मूल्यांकन तिथि आगे बढ़ी, अब आवेदन जून में

रायपुर। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं की री-इवैल्यूएशन और वेरिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर अपडेट जारी किया है। बोर्ड ने कहा है कि छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए पोर्टल-रिजल्ट एक्टिविटीज पोर्टल अब 1 जून से शुरू किया जाएगा। इससे पहले सीबीएसई ने कहा था कि आवेदन पोर्टल शुरू होगा, यानी 29 मई से शुरू किए जाने की उम्मीद है। हालांकि अब बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि पाठशाला और बिना तकनीकी दिक्कत वाली प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एप्रेल 30 1 जून तक चालू किया जाएगा। सीबीएसई अनुसार, यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि मूल्यों का प्रक्रिया में उच्चतम मानकों और सभी जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया जा सके। बोर्ड चाहता है कि छात्र बिना किसी तकनीकी समस्या के अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन कर सकें।

अनं बहो! तो शुल्क वापस
अगर किसी छात्र को प्रक्रिया में
जुड़ा कोई सवाल या समस्या हो
तो वे सीबीएसई की टेली
काउंसलिंग हेल्पलाइन 1800
8004 पर संपर्क कर सकते हैं।
इसके अलावा छात्र resultcheck
se2026 @cbseishiksha.in
ईमेल आईडी की भी अपन-
शिकायत या सवाल भेज सकते हैं।
पूर्व में छात्रों और अभिभावकों व
शिकायतों के बाद सीबीएसई
पोस्ट-ट्रिजल सेवाओं की फीस
भी बढ़ावा दिया था। संग्रोधन ने
मुताबिक, स्कैन कॉपी प्रॉपर्टी
और मार्क्स वेरिफिकेशन के लिए
छात्रों को प्रति विषय 100 रुप-
ए शुल्क देना होगा। वहीं, री-
इवेल्यूएशन के लिए शुल्क प्री-
प्रजन के हिसाब से लिया जाएगा
जो कि 25 रुपए प्रति प्रश्नपत्र
निर्धारित किया गया है। बोर्ड ने य-
ही साफ किया है कि अगर री-
इवेल्यूएशन के बाद किसी छात्र व
अनं बहो! तो उससे लिया गया
शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

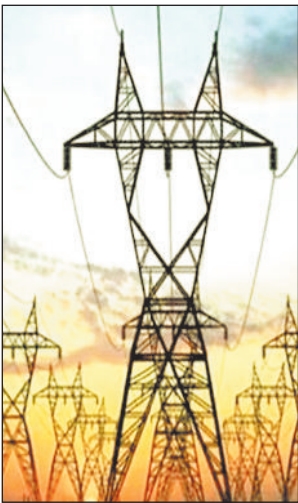
अब पीक आवर में

खपत छह हजार
मेगावाट से कम

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

प्रदेश में वैसे तो भीषण गमी पड़ रही है और नीतपा भी चल रहा है, लेकिन इसी बीच प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश हो रही है, तो कहीं ओले भी गिर रहे हैं। कहीं बादल छाए हुए हैं। ऐसे में बिजली की खपत की गमी की उतर गई है। जो खपत होती माह सात हजार मेगावाट के पार चली गई थी, वह अब छह हजार मेगावाट से भी कम हो रही है। पीक आवर में भी खपत छह हजार मेगावाट के पार नहीं जा रही है।

मई का प्रारंभ ही मौसम के बदलने से हुआ है, अब तो मई समाप्त होने को है, लेकिन अभी मौसम के कुछ दिनों तक इसी तरह से रहने की संभावना है। मौसम ऐसा ही रहा, तो यह बात तय है कि बिजली की खपत और भी कम होगी। इस समय बिजली की खपत जहाँ दिन के समय में 51 से 52 सौ मेगावाट हो रही है, वहीं शाम को पीक आवर में खपत छह हजार मेगावाट से कम हो रही है। जहाँ पर भी बारिश हो रही है, वहीं पर एसी और कुलर कम चल रहे हैं।



अप्रैल में सात हजार
मेगावाट के पार गई
थी खपत

अप्रैल में बना खपत का रिकॉर्ड

अप्रैल में इस बार खपत का नया रिकॉर्ड बना। बीते साल गर्मी में खपत सात हजार मेगावाट के पार गई थी। लेकिन इस बार खपत 73 सी मेगावाट के करीब पहुंच गई। अप्रैल में लगातार करीब एक सप्ताह तक खपत सात हजार मेगावाट के आस-पास रही है। पहले कभी इतनी खपत नहीं होती थी। ऐसे में लग रहा था कि मई में खपत का पारा 75 सी मेगावाट तक जा सकता है, लेकिन मई के मौसम ने बिजली की खपत की पूरी खुमारी उतार दी है।

अपना उत्पादन कम

खलीसगढ़ राज्य पक्ष के संसर्गों की उत्पत्ति हमना 2960 मेगावाट है। लेकिन कभी भी उत्पन्न 26 से 27 मेगावाट तक ही हो पाया है। इस समय तो अपना दो हजार मेगावाट के आस-पास हो रहा है। अब तक कोरबा वेस्ट के संयंत्र में एक 210 मेगावाट के दो संयंत्र खराब हैं। ये संयंत्र कार्यालय एक माह से खराब ही पड़े हैं। खपत बढ़ाना हमें के कारण इनको जल्द प्रारंभ करने पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खपत की पूर्ति करने के लिए सेंट्रल सेक्टर के दोहा साइटे तीन हजार मेगावाट बिजली ले रहे हैं। इतने का प्रदेश का शेयर भी है। अप्रैल में तो सेंट्रल सेक्टर के दोहा पांच हजार मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ी थी। पाँच कम्पनी के अधिकारियों के मुताबिक 210 मेगावाट के संयंत्रों को जल्द प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके बाद सेंट्रल सेक्टर से और कम बिजली लेनी पड़ेगी।



साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"श्रीनी रत्न कम्पनी"

(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

दिनांक 22.04.2026

एसईसीएल / एजीएल (हसदेव) / यू.स. / 25-26 / 10

सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल हसदेव क्षेत्रागत शीतलधारा कुरजा यूजी माईन कालरी के डिपलिटिंग हेतु ग्राम-परसापानी, के निम्नलिखित भू-विकासपत्रों एवं उनके द्वारा नामित, आभित उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्ति किया जाने बावत औपचारिकताएं यथाशीघ्र प्रारम्भ की जायेगी।

Sl. No.	Name as per Land Owner on date of sanction 9 (i)	Name as per P. I & B-I Statement 1-A [Land owner on date of compensation assessment]	Name of PAP proposed for employment	Document	Name
1.	दलवीर सिंह पिता राम सुन्दर जाति-मांड ग्राम-परसापानी खसरा नं:- 1/1/5, 1/3/1, 7/1, 46/1 रकबा: 1.162 हे. (2.87 एकड़)	हिस्मतिवात बाई देवा दलवीर सिंह, गुलाब सिंह, बलराम, अनिता उर्फ गुजरतिया, फुलवसिया पिता दलवीर सिंह	शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह	1 यंत्रशुश 2 निवात प्रमाण पत्र 3 राशन / सामग्राई 4 मतदाता परिचयपत्र 5 आधार कार्ड 6 शिक्षा प्रमाण पत्र 7 रोजगार पंजीयन 8 पेन कार्ड 9 जाति प्रमाण पत्र	शिवप्रसाद पिता गुलाब सिंह शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह शिव प्रसाद पिता गुलाब मोड़ शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह शिव प्रसाद पिता गुलाब सिंह SHIV PRASAD SHIV PRASAD S/o GULAB SHING गुलाब पिता गुलाब सिंह

उपरोक्त तालिका में दर्शाये गये भू-स्वामी भी एवं आभित रोजगार बावत प्रस्तावित सदस्य के संबंध में किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पत्र आमतौर पर, तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों, प्रमाणों के साथ इसकी हितवित शिकायत अग्रोहरताओं के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् या दस्तावेजी प्रमाण नहीं होने की स्थिति में दावा-आपत्ति मान्य नहीं होगा।

SECL/26-27/413

क्षेत्रीय महाप्रबंधक, एसईसीएल, हसदेव क्षेत्र



केनरा बैंक Canara Bank
A part of India Unifinance

फिफिक्रेड सिंडिकेट

केनरा बैंक, सेपोलान्डाज्, ए.आर.एम. शाखा,
जयलक्ष्मुर
फोन : 8699142824

**ई-नीलामी
सूचना**

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 9 का पतनुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिप्रतिभूतकर एवं प्रतुप्रभूति हिता प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9 के अन्तर्गत

अचल संपत्तियों की विक्री हेतु विक्रय सूचना

आम सूचना को साधारणतः जमान वणिगत अचल संपत्तियों के ग्रुपिंगों एवं जमानदारों को विशेषण: सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार) के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके संकलित कब्जा ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक 19/06/2026 को केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार) के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहाँ है, जो है जैसा है" को कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक कब्जा दिनांक कबया राशि	आरक्षित मूल्य क्षीरहर राशि बिड बढ़ाने की राशि
ग्रुपी: मेसर्स श्री एसोसिएट्स प्रॉप. श्री फणेन्द्र मिश्रा पुत्र एस. श्री. मिश्रा आनंद टाकीज के सामने, दुकान नं. 15, भुतल, एस.के. प्लाजा, जीई रोड, बिलासपुर (छ.ग.) बंधककर्ता: श्रीमती ज्योति मिश्रा पत्नी फणेन्द्र मिश्रा	बंधक संपत्ति भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर 1081 और 1082, मोती पेंडारी, पी.छ. नंबर 25/47, आर.आर. सिकल सक्ती, ब्लॉक तखतपुर, ग्राम पंचायत पेंडारी के अंतर्गत, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ क्षेत्रफल: 8.284 वर्गफीट। संपत्ति मालिक: श्री फणेन्द्र मिश्रा पुत्र एस. श्री. मिश्रा सन्तुष्टीमूर्त; उत्तर: मायाक का प्लॉट, पुरे: सड़क, दक्षिण: राम प्रसाद का प्लॉट, पश्चिम: देवी श्याम का प्लॉट BAANKNET PROPERTY ID: CNR81212044102 LATITUDE: 22.122301 LONGITUDE: 82.054961 भौतिक कब्जा	21/06/2024 27/08/2024 दि. 27/05/2026 को ₹ 95,55,952.18 +भ्याज एवं अन्य खर्च	₹ 40,50,000/- ₹ 4,05,00,000/- ₹ 10000/-

धरोहर राशि (इंएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 18/06/2026, या उससे पूर्व यात्रा 5.00 बजे तक
(ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 19/06/2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनट) के अतिमिष्ट विस्तार पर)

- एचक्यू बोलीदाता को आरक्षित मूल्य की 10% अधिग राशि (इंएमडी) उससे मेसर्स पीएससी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.in) पोर्टल पर ई-वॉलेंट में जमा करनी होगी या चालान जनेरत कहे बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरडीजीएस/एसड्यूक्रे के माध्यम से इंस्टैंडी जमा करनी होगी।
- सफल बोलीदाता को विक्री मूल्य का 25% (एकले से भुगतान की गई इंस्टैंडी सहित) उससे पहले में विक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि विक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार विक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसने द्वारा जमा की गई राशि जबरन कर ली जाएगी।
- अंशे मूल्य, स्टंप शुल्क/जीएसटी/पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा मांगू हो और कोई भी कर, रायस्व, मूल्य का स्थानान्तरण प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा भद किया जाएगा।
- अंश संपत्ति का विक्रय राशि रु. 5.00 लाख या उससे ऊपर हो उस पर परिस्थिति में नीलामी खरीदार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रतियां भेजें कि जमा करनी होगी।

विस्तृत विवरण हेतु केनरा बैंक, सेपोलान्डाज्, ए.आर.एम. शाखा, जयलक्ष्मुर (Phone No.8699142824,7683068902), e-mail id cb9014@canarabank.com से कान्वांलियर मेल में सम्पर्क करें अथवा सर्विस प्रदाता (मेसर्स पीएससी एनयान्स प्रा. लि.) संपर्क 7046612345/6354910172/ 8291220220/9692119848/ 8162005051, Email: support_baanknet@psballiance.com / support.ekbay@procure247.com, देखें।

दिनांक : 27.05.2026, स्थान : जयलक्ष्मुर

प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

[illegible]

South East Central Railway @secr





वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है, जिसने दुनिया को चौंका दिया है। इस खोज के मुताबिक, हर इंसान के पास तीसरी आंख है। हालांकि, अब यह आंख अवेशा है। वैज्ञानिकों को मुताबिक, यह तीसरी आंख देखने का काम नहीं करती है, बल्कि नींद और शरीर की घड़ी को नियंत्रित करती है।

इंसान में होती है तीसरी आंख! वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

लंदन। दरअसल, इंसान के शरीर के बीचों-बीच छिपी पिनियल ग्लैंड प्राचीन तीसरी आंख का अवशेष है। प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका करंट बायोलॉजी जर्नल में एक शोध पेपर प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स और लुंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि लाखों साल पहले हमारे पूर्वजों की एक मध्य वाली आंख थी। यह समय के साथ बदलकर पिनियल ग्लैंड बन गई। इस खोज से इंसान की आंखों और शरीर की घड़ी के विकास की नई कहानी बता रही है।

50 करोड़ साल पहले इंसानों के पूर्वज समुद्री जीव थे

वैज्ञानिकों के मुताबिक, करीब 50 करोड़ साल पहले इंसानों के पूर्वज समुद्री जीव थे। यह समुद्र की गहराई में कीचड़ और अंधेरे में रहते थे। इन जीवों की दो तरफ वाली आंखें अंधेरे में बेकार हो गईं और धीरे-धीरे काम करना बंद कर दीं। लेकिन उनके सिर के बीच एक खास संरचना थी। इसे शोधकर्ताओं की तरफ से कॉम्पोजिट एंसेस्ट्रल मीडियन आई नाम दिया है। यह मध्य वाली आंख प्रकाश का, दिन-रात का पता लगाने और दिशा का ज्ञान रखने में मदद करती थी। जब यह समुद्री जीव सुरंगों में रहने लगे, तो उनकी साइड वाली आंखें काम करना बंद कर दीं, लेकिन मीडियन आई बची रही, क्योंकि वो उनके लिए जरूरी थी।



24 घंटे की शारीरिक घड़ी को करता है नियंत्रित

रात होने पर पिनियल ग्लैंड मेलाटोनिन छोड़ती है, जिससे शरीर को पता चलता है कि अब सोने का समय हो गया है। यह 24 घंटे की शारीरिक घड़ी (सर्कैडियन रिदम) को नियंत्रित करता है। इससे नींद, प्रजनन प्रणाली, इम्यून सिस्टम, मूड और यहां तक कि शरीर के तापमान प्रभावित होता है। दिन में इससे हमीन कम बनता है, जिससे इंसान को नींद कम आए। शोधकर्ताओं ने कहा कि रेटिना का विकास आंख से पहले हुआ था। प्रोफेसर टॉम बेडेन ने जानकारी दी कि गहरे पानी या कीचड़ में दिन-रात की जानकारी हासिल करना और ऊपर-नीचे की दिशा का पता लगाना जरूरी था।

शोध में नहीं किए गए नए प्रयोग

वैज्ञानिकों ने इस शोध कोई नए प्रयोग नहीं किए। शोधकर्ताओं ने मछलियों, लैप्री (एक प्राचीन मछली) और अन्य जीवों के आयुर्वेदिक डेटा, जीवाश्मों और मौजूद अध्ययनों का विश्लेषण किया है। इससे पता चला है कि इंसान की आंखें और पिनियल ग्लैंड का विकास अलग-अलग नहीं हुआ है, बल्कि एक ही प्राचीन संरचना से विकास हुआ है। अभी भी कुछ ऐसे जीव हैं, जिनमें तीसरी आंख साफ दिखती है। न्यूजीलैंड में पाए जाने वाला दुआतारा नाम का सरीसृप सबसे बेहतरीन उदाहरण है।

रोचक खबरें

सबसे महंगा पेन, स्पेस के अंदर भी कर सकते हैं इस्तेमाल

न्यूयार्क। पेन जैसी छोटी सी चीज भी अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से लैस हो तो उसकी कीमत आसमान छू सकती है। दुनिया का सबसे चर्चित और महंगा पेन फिशर स्पेस पेन है, जिसे खास तौर पर अंतरिक्ष में इस्तेमाल के लिए बनाया गया था। यह पेन जोरी ग्रेविटी में भी बिना किसी समस्या के लिख सकता है। नासा के अंतरिक्ष यात्री आज भी मिशनो के दौरान इसका इस्तेमाल करते हैं। साल 1960 के दशक में अमेरिकी इन्वेंटर पॉल फिशर ने इस पेन को तैयार किया था। उस समय नासा को एक ऐसे पेन की जरूरत थी जो स्पेस में काम कर सके। आम पेन स्पेस में नहीं लिख पाते क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होता और स्याही नीचे नहीं गिरती। फिशर ने सालों की रिसर्च के बाद प्रेशराइज्ड इंक कार्ट्रिज टेक्नोलॉजी विकसित की। इसमें नाइट्रोजन गैस का दबाव इस्तेमाल होता है जो किसी भी स्थिति में स्याही को बाहर निकालता है। यह पेन -34 डिग्री सेल्सियस से लेकर +121 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करता है। पानी के नीचे, उल्टा लिखते हुए, तेल में या बर्फ पर भी यह आसानी से लिख सकता है। एक कार्ट्रिज से यह पेन लगभग 50 किलोमीटर तक लिख सकता है। यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे यूनिवर्सल और भरोसेमंद पेन माना जाता है। नासा ने इसे अपोलो मिशन से लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक इस्तेमाल किया था। दिलचस्प बात यह है कि रूस के सोवियत स्पेस प्रोग्राम ने भी बाद में इसी पेन को अपनाया।

दुनिया का सबसे छोटा स्कूल जिसमें पढ़ता था सिर्फ एक बच्चा

रोम। शिक्षा को हर बच्चे का मूल अधिकार माना जाता है। यही वह आधार है जिसने दुनिया को विकास और आधुनिकता की राह दिखाई है। लेकिन आज भी कई ऐसे इलाके हैं जहां स्कूलों की कमी बच्चों के सपनों के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट बन जाती है। इसी बीच दुनिया के एक ऐसे अनेखे स्कूल की कहानी अक्सर लोगों को हैरान कर देती है, जिसे दुनिया का सबसे छोटा स्कूल कहा जाता है। खास बात यह है कि इस स्कूल में कभी सिर्फ एक ही छात्रा पढ़ाई करने आती थी। यह अनेखा स्कूल इटली के खूबसूरत शहर तुरिन के पास स्थित है। पहाड़ी और शांत प्राकृतिक वातावरण के बीच बना यह स्कूल आकार में भले छोटा हो, लेकिन इसकी कहानी पूरी दुनिया में मशहूर हो चुकी है। यहां पढ़ने वाली इकलौती छात्रा का नाम सोफिया विवोला था। उस समय सोफिया तीसरी कक्षा में पढ़ती थीं और उन्हें पढ़ाने के लिए स्कूल में केवल एक शिक्षिका मौजूद थीं, जिनका नाम इसाबेल बताया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कहानी साल 2014 के दौरान सामने आई थी। आमतौर पर स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल, दोस्तों की बातें और खेलकूद का माहौल देखने को मिलता है, लेकिन सोफिया का स्कूल इससे बिल्कुल अलग था। पूरी कक्षा में सिर्फ वही अकेली छात्रा थीं। ऐसे में कई बार उन्हें अकेलापन महसूस होता था।

कल आसमान में दिखेगा दुर्लभ ब्लू मून, फिर लगेगा लंबा सूर्य ग्रहण!

नई दिल्ली। साल 2026 खगोल प्रेमियों के लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस साल आसमान में कई दिलचस्प घटनाएं होने जा रही हैं। एक ओर जहां 31 मई की रात आसमान में दुर्लभ ब्लू मून दिखाई देगा, तो वहीं 12 अगस्त को लगने जा रहा है लंबा सूर्य ग्रहण। आसमान में होने वाली घटनाओं में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के मन में यह सवाल आ रहा है कि ये दुर्लभ नजारे भारत में दिखाई देंगे या नहीं। अगर दिखाई भी देंगे तो इनकी टाइमिंग क्या होगी? तो आइए जानते हैं, इन घटनाओं से जुड़ी सारी जानकारी।

मई का महीना आकाश में होनी घटनाओं को लेकर बहुत ही खास है। इस महीने में दो बार पूरा चांद दिखाई देगा। यानी एक ही महीने में दो बार पूर्णिमा होगी। यह घटना बहुत कम देखने को मिलती है, इसलिए खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए यह बहुत ही खास माना जा रहा है।

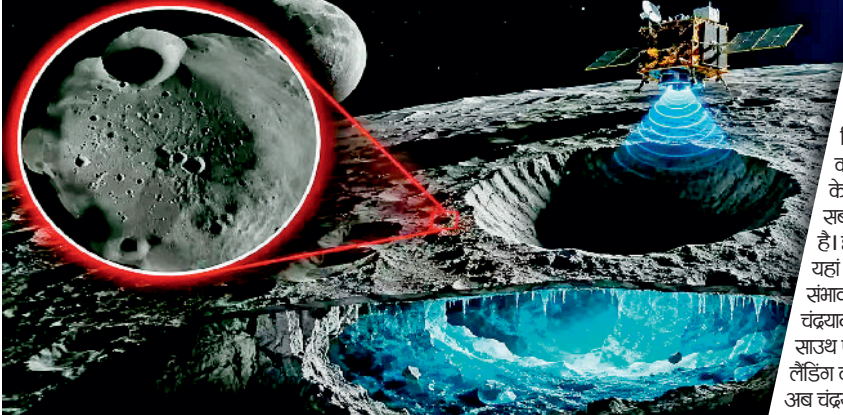
जब किसी एक ही महीने में दो बार पूर्णिमा पड़ती है, तो दूसरी पूर्णिमा पर दिखने वाले चांद को ब्लू मून कहा जाता है। सामान्य तौर पर हर महीने सिर्फ एक ही बार पूर्णिमा होती है, लेकिन चंद्रमा के लगभग 29.5 दिनों के चक्र और कैलेंडर की तारीखों के मेल के कारण कभी-कभी ऐसा संयोग बन जाता है कि एक ही महीने में दूसरी बार भी पूरा चांद दिखाई देता है। इसी दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहते हैं। बता दें कि ब्लू मून का संबंध चांद के रंग से नहीं, बल्कि उसके समय से होता है।

खोज

भारत की सबसे बड़ी कामयाबी!

नई दिल्ली। इसरो के चंद्रयान-2 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित बेहद ठंडे और अंधेरे क्रेटरों में सतह के नीचे छिपे 'बर्फ के भंडार' की खोज की है। यह खोज भविष्य के मानव मिशनो के लिए पानी, ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन जुटाने के लिहाज से भारत की एक बहुत बड़ी वैज्ञानिक कामयाबी है। वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से मिले डेटा का विश्लेषण करते हुए चांद के दक्षिणी ध्रुव यानी साउथ पोल पर जमीन के नीचे पानी की बर्फ मौजूद होने के मजबूत संकेत खोजे हैं। यह खोज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के लिए बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है। यह खोज चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में लगे खरास रडार सिस्टम डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपचर रडार की मदद से की गई। यह उपकरण चांद की सतह और उसके नीचे की परतों का अध्ययन करने के लिए बनाया गया था।

चंद्रयान-2 ने चांद के सबसे अंधेरे कोने में ढूंढ निकाली बर्फ की चादर



चांद के सबसे ठंडे इलाके में मिला संकेत

वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद 'परमानेंटली शेडोड रीजेंस' यानी ऐसे क्षेत्रों का अध्ययन किया, जहां कभी सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। इन इलाकों में कुछ खास तरह के गड्ढे यानी क्रेटर मौजूद हैं, जिन्हें 'डबली शेडोड क्रेटर' कहा जाता है। इन क्षेत्रों का तापमान लगभग 25 केल्विन यानी माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इतनी ज्यादा ठंड की वजह से वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां अरबों सालों तक पानी की बर्फ सुरक्षित रह सकती है।

भविष्य के मिशनो के लिए क्यों अहम है यह खोज?

चांद पर पानी की मौजूदगी भविष्य के अंतरिक्ष मिशनो के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर चांद पर बर्फ के बड़े भंडार मौजूद हैं, तो उन्हें प्रोसेस करके पाने का पानी, ऑक्सीजन और यहां तक कि रॉकेट फ्यूल भी बनाया जा सकता है। इससे भविष्य में इंसानों के लंबे समय तक चांद पर रहने की संभावना मजबूत हो सकती है। वैज्ञानिक इसे 'इन-सीट रिसोर्स यूटिलाइजेशन यानी आईएसआरयू रणनीति का अहम हिस्सा मानते हैं। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष मिशनो के लिए जरूरी संसाधन सीधे चांद पर ही तैयार किए जाएं, ताकि पृथ्वी से कम सामान ले जाना पड़े।

चांद के साउथ पोल पर दुनिया की नजर

पिछले कुछ वर्षों में चांद का साउथ पोल दुनियाभर के अंतरिक्ष मिशनो का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां पानी की बर्फ मिलने की संभावना है। भारत ने 2023 में चंद्रयान-3 मिशन के जरिए साउथ पोल के पास सफल लैंडिंग करके इतिहास रचा था। अब चंद्रयान-2 की यह नई खोज चांद पर पानी की मौजूदगी को समझने में भारत के योगदान को और मजबूत बनाती है। आज भी काम कर रहा है चंद्रयान-2 ऑर्बिटर : हालांकि, 2019 में चंद्रयान-2 का लैंडर सफलतापूर्वक उतर नहीं पाया था, लेकिन उसका ऑर्बिटर आज भी काम कर रहा है और लगातार वैज्ञानिक डेटा भेज रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिल रही जानकारी चांद के रहस्यों को समझने में बेहद मददगार साबित हो रही है। यह खोज दिखाती है कि भारत का यह मिशन आज भी अंतरिक्ष विज्ञान में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

समुद्र से 14 हजार फीट नीचे बड़ा विस्फोट, निकली चट्टानें

न्यूयार्क। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में इस साल मई 2026 की शुरुआत से एक अंडरवॉटर वॉल्वेनो फट रहा है। इसके चलते समुद्री सतह से 10,000 फीट ऊपर तक भाप से भरे विशाल सफेद बुलबुले उठ रहे हैं। बता दें कि यह ज्वालामुखी पापुआ न्यू गिनी के नॉर्थ कोस्ट के पास टाइटन रिज के किनारे बिस्मार्क सी पर स्थित है। इससे प्यूमिस नाम की एक वॉल्वेनिक रॉक भी निकल रही है, जो समुद्र में तैर रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस चट्टान से एक नए आइलैंड का निर्माण हो सकता है, जो सैटेलाइट इमेजेस में शायद ही कभी दिखाई देने वाली भूवैज्ञानिक घटना है। बता दें कि 8 मई को सीस्मोमीटर में कई भूकंपों का पता चलने के बाद इस वॉल्वेनिक एक्टिविटी का संदेह हुआ।

बनेगा नया द्वीप : हाल ही में आई सैटेलाइट इमेजेस से पता चलता है कि इस घटना से अंडरवॉटर लैंडस्केप में बदलाव आ रहा है। इससे संभावना है कि ज्वालामुखी



विस्फोट से एक नया द्वीप उभर आएगा. घटना को लेकर नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के चीफ साइंटिस्ट जिम गार्विन ने कहा कि वह उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या कोई नया द्वीप बनने वाला है या नहीं, क्योंकि वह इस तरह की घटनाओं को सैटेलाइट के जरिए बेहद कम देख पाए हैं।

महासागर की गिस्द्री

महासागर आज भी रहस्य बने हुए हैं, क्योंकि इंसानों ने आज तक पानी के अंदर मौजूद क्षेत्रों का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्से को ही एक्सप्लोर और स्टडी किया है। वहीं, ग्लोबल सी फ्लोर का केवल 28.7 प्रतिशत हिस्से की ही मैपिंग की गई है। इसका अधिकतर हिस्सा अभी भी उन प्रजातियों और संरचनाओं का घर है, जिन्हें अभी तक नहीं देखा गया है। अंडरवॉटर या सबमरीन वॉल्वेनो धरती के मैमा आउटपुट का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। इनकी संख्या धरती पर स्थित ज्वालामुखियों से कहीं ज्यादा है।

प्रकृति

यह झील भारत और चीन की सीमा पर फैली हुई है

दिन में पांच बार रंग बदलती है लद्दाख की पांगोंग त्सो झील

नई दिल्ली। प्रकृति कभी-कभी ऐसे चमत्कार दिखाती है कि इंसान दंग रह जाता है। गिरगिट रंग बदलने के लिए मशहूर है, लेकिन लद्दाख की एक झील उसे भी मात दे देती है। यह है विश्व प्रसिद्ध पांगोंग त्सो झील, जिसे लोग 'रंग बदलने वाली झील' या सोशल मीडिया पर 'गिरगिट की फुफेरी बहन' कहा जा रहा है। यह झील दिन में पांच बार तक अपना रंग बदल लेती है और हर बार नया-नया नजारा पेश करती है। पांगोंग त्सो लद्दाख की सबसे ऊंचाई वाली झीलों में से एक है। समुद्र तल से करीब 4350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील भारत और चीन की सीमा पर फैली हुई है। इसकी लंबाई 134 किलोमीटर है, जिसमें से एक तिहाई हिस्सा भारत में और बाकी चीन (तिब्बत) में है।



कैसे बदलता है रंग?

सुबह के समय जब सूरज की नरम किरणें पड़ती हैं तो झील का पानी गहरा नीला नजर आता है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है और सूर्य का कोण बदलता है, पानी टर्किश ब्लू, फिर हरा-नीला (एमरल्ड ग्रीन) हो जाता है। दोपहर में यह हल्का हरा या आसमानी रंग दिखाता है। शाम को सूर्यास्त के समय पानी गोल्डन, नारंगी और कभी-कभी लाल-गुलाबी छटा बिखेरता है। यह चमत्कार सूर्य की रोशनी, झील के स्वच्छ पानी, खनिज तत्वों और आसपास के बर्फीले पहाड़ों के रंगों के प्रतिबिंब के कारण होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार पानी में मौजूद सोडियम और अन्य खनिज भी रंग बदलने में मदद करते हैं।

पर्यटकों का पसंदीदा ठिकाना

- पांगोंग झील '3 इडियट' फिल्म की वजह से और भी प्रसिद्ध हो गई। फिल्म में आमिर खान और करीना कपूर की गानों वाली सीन यहीं शूट हुई थी। अब हर साल हजारों पर्यटक यहां आते हैं। लोग कहते हैं कि झील को देखते रहो, हर घंटे नया रंग दिखाई देगा। खासकर सूर्योदय और सूर्यास्त का समय सबसे खूबसूरत होता है।
- अनेखी विशेषताएं
 - यह झील मीठे पानी की नहीं, बल्कि खारे पानी की है।
 - सर्दियों में पूरी झील जम जाती है और बर्फ की चादर बन जाती है।
 - यहां पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं।
 - आसपास बर्फीले पहाड़ और रेगिस्तानी इलाका एक साथ नजर आता है।

धरती का वो छिपा हुआ स्वर्ग, जहां जाने के लिए दांव पर लगानी पड़ती है जान



ब्रासीलिया। ब्राजील से वायरल हुए एक वीडियो ने नैटिजन्स दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया है। कोई इसे रहस्यमय दुनिया कह रहा है, तो कोई इसे धरती पर जन्नत का दरवाजा करार दे रहा है। यहां बात हो रही है ब्राजील के जंगलों में छिपे फुमासिन्हा झरने की। यह झरना जितना जादुई और सम्मोहक है, यहां तक पहुंचने का रास्ता उतना ही जानलेवा और रोंगटे खड़े कर देने वाला है।

फुमासिन्हा एक पुर्तगाली शब्द है, जिसका मतलब होता है धुंध का छोटा बादल। इस झरने का नाम इसके इस अनेखे बर्ताव की वजह से ही रखा गया है। यह झरना 100 मीटर (यानी 328 फीट) की ऊंचाई से गिरता है। इसकी सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि इसका पानी जमीन को छू भी नहीं पाता। दरअसल, ऊंचाई और तेज हवा के दबाव के कारण पानी गिरते-गिरते बेहद बारीक कोहरे और धुंध जैसी जादुई चादर में बदल जाता है। जब आप दो विशाल और तंग चट्टानों के बीच खड़े होकर इसे देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है मानो बादलों को चीरकर आसमान से कोई दिव्य धारा सीधे धरती पर उतर रही हो।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर फेस लिफ्ट

